Follow us on : bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 15 ● अंक-20 ● रायपुर, बुधवार 15 फरवरी 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.46
सूर्यास्त 5.10
फाल्गुन कृष्ण पक्ष- दशमी

सुविचार

किसी चीज़ को पाने का जुनून एक आग की तरह है। उसे अपने अंदर बनाए रखें।
-स्वदेश तिवारी

3 समय-सीमा की बैठक में सभी विभागीय अधिकारी साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट के साथ होवे उपस्थित: कलेक्टर

6 सिमगा में फर्जी तरीके से संचालित हो रहे पैथोलॉजी लैब

7 पूर्व सेवा गणना से पूर्ण पेंशन, वेतन विसंगति, क्रमोन्नति व पदोन्नति का लाभ देने सौंपा ज्ञापन

संक्षिप्त समाचार

टॉवर वैगन ट्रेन ने 4 कर्मचारियों को उड़ाया मौके पर ही मौत

लासलगांव। बड़ी खबर महाराष्ट्र से है। यहां के नासिक जिले के लासलगांव रेलवे स्टेशन के पास एक भयानक हादसा हुआ है। लासलगांव में एक टॉवर वैगन ट्रेन ने 4 कर्मचारियों को उड़ा दिया। इस हादसे में सभी चारों कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई। ये भीषण हादसा लासलगांव-उगांव रेलवे स्टेशन के बीच हुआ। बताया गया कि हादसे का शिकार हुए सभी कर्मचारी गैंगमैन हैं, जो रेलवे ट्रैक की मरम्मत के काम में लगे थे। खबरों के मुताबिक आज सुबह 5.44 बजे के करीब ये हादसा हुए है। टॉवर वैगन ट्रेन (लाइट फिक्सिंग इंजन) डायवर्जन से लासलगांव की तरफ से उगांव की ओर जा रहा था। पोल नंबर 15 से 17 तक ट्रैक मेंटेनेंस का काम चल रहा था। तभी ये हादसा हुआ। मृतकों के नाम संतोष भाऊराव केदारे (उम्र 38 साल) , दिनेश सहादु दराडे (उम्र 35 साल), कृष्णा आत्माराम अहिरे (उम्र 40 साल) और संतोष सुखदेव शिरसाठ (उम्र 38 साल) बताए गए हैं।

अब जनता के लिए खोली जाएगी टेंट सिटी

लखनऊ। वृंदावन योजना में स्थापित टेंट सिटी, जहां ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गई थी, अब जनता के लिए खोली जाएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के एक ट्वीट के अनुसार, अयोध्या, काशी और मथुरा नामक तीन टेंट सिटी 13 से 15 फरवरी के बीच जनता के लिए खुले रहेंगे। तीनों शहरों में प्रत्येक में 250 कमरे हैं। इन शहरों के पीछे का विचार राज्य की सांस्कृतिक विरासत को चित्रित करना और जीआईएस कार्यक्रम के लिए मिनी-यूपी विकसित करना था। अयोध्या टेंट सिटी के द्वार रामायण-युग के डिजाइनों को प्रदर्शित करते हैं, मथुरा टेंट सिटी के द्वार भगवान कृष्ण युग-डिजाइनों को दर्शाते हैं और काशी टेंट सिटी के द्वार काशी के पुराने शहर से जुड़े डिजाइन हैं। कुल मिलाकर, मेहमानों के लिए पांच सितारा होटल सुविधाओं के साथ 750 लक्जरी टेंट हैं। इसके अलावा जिम, स्पॉ, डाइनिंग हॉल, मीटिंग हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम, गेम जोन, बैडमिंटन कोर्ट, हॉस्पिटल और कल्चरल इवेंट हॉल है।

चाय पीजिए व कप भी खाइए, यूपी के किसान लेकर आए बाजरे का कुल्हड़

प्रयागराज। लाखों लोग हैं कोन से आइसक्रीम खाने के बाद कोन को चबाते हैं। उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में देवरिया स्थित किसानों का एक समूह अब बाजरा से बने 'कुल्हड़' लेकर आया है, इसका उपयोग चाय पीने के लिए और नाश्ते के रूप में खाने के लिए किया जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि ये 'कुल्हड़' ऐसे समय में आए हैं जब 2019 में भारत के प्रस्ताव के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया गया है। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में रागी और मक्के के मोटे दाने से बने इन पौष्टिक कुल्हड़ों को 'चाय पियो और कुल्हड़ खाओ' नाम दिया गया है।

वित्तीय अनियमितता के हैं आरोप

बीबीसी के दिल्ली-मुंबई दफ्तरों पर आयकर का सर्वे

■ कांग्रेस ने कहा- अघोषित आपातकाल भाजपा बोली-भूल गए ,इंदिरा गांधी ने भी बैन किया था

नई दिल्ली/ एजेंसी

बीबीसी के दिल्ली और मुंबई ऑफिस पर मंगलवार सुबह 11 बजे आयकर विभाग की टीम ने सर्वे शुरू किया। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार बीबीसी पर इंटरनेशनल टैक्स में गड़बड़ी का आरोप है। बीबीसी ने ट्वीट कर बताया- आयकर विभाग की टीम दिल्ली और मुंबई ऑफिस में मौजूद हैं। हम उन्हें पूरा सहयोग कर रहे हैं। सर्वे का काम अभी भी जारी है। ऑफिस में काम भी शुरू हो गया है। इधर, कांग्रेस पार्टी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर पर इस कार्रवाई को अघोषित आपातकाल बताया। कांग्रेस के बयान पर भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इंदिरा गांधी का 52 साल पुराना वाकया याद दिलाया। भाटिया ने कहा- कांग्रेस शायद भूल रही है कि 1970 में इंदिरा गांधी ने एक डॉक्यूमेंट्री को लेकर बीबीसी पर बैन लगा दिया था। दिल्ली के चत्त मार्ग एरिया में एचटी टावर की पांचवीं और छठी मंजिल पर बीबीसी का ऑफिस है। यहां आईटी की 24 मेंबर्स की टीम ने रेड की है। इधर,

मुंबई के सांताक्रूज इलाके में बीबीसी स्टूडियोज पर भी इनकम टैक्स विभाग की टीम पहुंची है। टीम ने फाइनेंस डिपार्टमेंट के लोगों के मोबाइल, लैपटॉप-डेस्कटॉप जब्त किए हैं। अफसरों के मुताबिक, इनका बैकअप लेकर इन्हें वापस कर दिया जाएगा। इनकम टैक्स के अधिकारियों ने बताया कि विभाग ने सिर्फ कंपनी के व्यावसायिक परिसर पर सर्वे किया है। प्रमोटर और डायरेक्टर के घर और अन्य जगहों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इधर, ब्रिटिश सरकार के सूत्रों ने बताया कि ब्रिटेन गवर्नमेंट टैक्स सर्वे की कार्रवाई की रिपोर्ट की बारीकी से निगरानी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि एक्शन के दौरान स्टाफके फोन बंद करा दिए गए थे और सभी को मीटिंग रूम में बैठने को कहा गया था। हालांकि करीब 6 घंटे बाद शाम करीब 5 बजे के करीब बीबीसी के कर्मचारियों को अपना काम करने की इजाजत दे दी गई। बीबीसी के ऑफिसों पर कार्रवाई को कांग्रेस ने पीएम मोदी पर बनी उसकी डॉक्यूमेंट्री से जोड़ा है। पार्टी ने ट्वीट कर इसे अघोषित आपातकाल बताया है। पार्टी ने अपने ट्वीट में लिखा- पहले बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री आई, उसे बैन किया गया।

सर्वे को लेकर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने चिंता जाहिर की

बीबीसी के दफ्तरों में इनकम टैक्स के सर्वे को लेकर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने चिंता जाहिर की है। एडिटर्स गिल्ड ऑफइंडिया ने बयान जारी कर कहा- नई दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों में आईटी विभाग की टीम के द्वारा सर्वे चलाया जा रहा है। ये तब हुआ है जब हाल ही में बीबीसी ने 2002 के गुजरात दंगों और वर्तमान में भारत में अल्पसंख्यकों के हालात पर 2 डॉक्यूमेंट्रीज रिलीज की हैं। सरकार ने बीबीसी पर गुजरात की गलत और पूर्वाग्रहों से ग्रसित रिपोर्ट करने का आरोप लगाया और भारत में डॉक्यूमेंट्री पर रोक लगा दी। एडिटर्स गिल्ड ऑफइंडिया ने ये भी कहा कि सरकार की नीतियों या सत्ताधारी दल की आलोचना करने वाले प्रेस संस्थानों के खिलाफसरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल उन्हें डराने या परेशान करने के लिए किया जाता है। आईटी सर्वे भी उसी का हिस्सा है।

महज 50 की उम्र में ली अंतिम सांस

लगान फिल्म के अभिनेता जावेद खान का निधन......

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता जावेद खान अमरोही का निधन हो गया है। वह महज 50 साल के थे। उन्होंने करीब 150 फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा उन्होंने टीवी की दुनिया में भी अलग-अलग किरदार निभाकर दर्शकों का मनोरंजन किया था। वह पिछले काफी समय से सांस से संबंधित बीमारी से जूझ रहे थे और पिछले एक साल से बिस्तर पर थे। उनको इलाज के लिए सांताक्रूज के सूर्या नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। बता दें कि उनके दोनों फेफड़े फेल हो गए थे। 14 फरवरी की शाम 7:30 बजे उनका अंतिम संस्कार ओशिवारा कब्रिस्तान में किया जाएगा। जावेद खान अमरोही एक मशहूर फिल्म और टीवी अभिनेता थे। उनको नुक्कड़ जैसे धारावाहिकों के लिए भी जाना जाता है। नुक्कड़ में सफलता के बाद उन्हें गुलजार की 'मिर्जा गालिब' में एक फकीर की भूमिका निभाने का मौका मिला।

पैरावट में लगी आग, जिंदा जलकर बच्चे की मौत

खेलते-खेलते कब वहां पहुंचा मां को पता ही नहीं चला, राख के साथ मिली लाश....

कोरिया/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में पैरावट में आग लगने से 4 साल के बच्चे की जिंदा जलकर मौत हो गई है। वो खेलते-खेलते कब पैरावट के पास पहुंच गया। मां को पता ही नहीं चला। कुछ देर बाद उसकी मां को पैरावट के राख के साथ बच्चे की लाश मिली है। मामला सोनहत थाना क्षेत्र का है। आनन्दपुर निवासी सुखदेव पंडो अपने बेटे रहेम लाल पंडो के साथ सोमवार की दोपहर को जंगल में लकड़ी लेने गया था।

घर पर रहेम लाल की पत्नी और उसका चार साल के बेटा शिवा थे। बताया गया कि शाम 4 बजे के आस-पास बच्चे की मां घर की लिपाई पोताई में व्यस्त थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया है। बच्चे की मां ने ही दूसरे कमरे से धुआं उठता देखा था। जिसके बाद उसने आस-पास के लोगों को तुरंत इस बात की सूचना दी थी। तब आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। बच्चे की मां भी वहां गई, फिर उसकी नजर राख के साथ बच्चे की लाश पर पड़ी। वहां रखा पैरावट पूरी तरह से जलकर राख हो गया था। लाश देखने के बाद महिला जोर-जोर से रोने लगी। महिला बताया कि शिवा खेल रहा था। मैं काम कर रही थी। उसके हाथ में माचिस था। वो दूसरे कमरे में पैरावट के पास कैसे पहुंच गया। मुझे नहीं पता। मुझे लगा कि वह दूसरी तरफखेल रहा होगा। इसके बाद दूसरे परिजनों को भी घटना की सूचना दी गई है।

21 फरवरी को थी घर में शादी

परिजनों ने बताया कि रहेम लाल पंडो के घर मे 21 फरवरी को शादी का कार्यक्रम था। जिसके लिए परिवार के लोग इसकी तैयारी में लगे हुए थे। रहेम लाल पंडो की पत्नी भी जिस वक्त हादसा हुआ, उस समय इसी तैयारी को लेकर लिपाई के कार्य में व्यस्त थी। रहेम लाल पंडो की साली की शादी उसके ही घर से होने वाली थी। मगर अब मातम पसर गया है।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जारी किया घोषणा पत्र

जेपी नड्डा ने कहा-सालों पहले की सरकारें हत्या के लिए थी मशहूर...

कोहिमा/ एजेंसी

नगालैंड में 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा कोहिमा पहुंचे। यहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि पांच साल पहले नॉर्थ ईस्ट में अवरोध, उग्रवाद, लक्षित हमले आदि का सामना करना पड़ता था। मगर आज नागालैंड फिर से शांति, समृद्धि और विकास की राह पर आ गया है। नागालैंड की विकास की एक कहानी रही है। पिछले आठ सालों में विद्रोह 80त्न कम हो गए हैं और स्नस्क्क66त्न क्षेत्रों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वोत्तर के राज्यों को 'अष्ट लक्ष्मी' मानते हैं, उनमें विकास के आधार पर शांति, बिजली, पर्यटन, 5जी संकेत, संस्कृति, प्राकृतिक-खेती और खेल के साथ-साथ अन्य क्षमताएं हैं। इससे पहले उन्होंने मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के नेता नेफ्यू रियो की उपस्थिति में एक जनसभा को संबोधित किया। नड्डा ने मंगलवार को कहा कि आज नगालैंड में शांति है, राज्य समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। नड्डा ने पूर्ववर्ती सरकारों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी इसकी ओर ध्यान ही नहीं दिया। नेफ्यू रियो के नेतृत्व में आज नगालैंड विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। नगालैंड के हर वर्ग की समस्या को हम सुनेंगे और उन समस्याओं का समाधान करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जनजाती लोगों से बहुत प्यार है।

उज्जैन में महा शिवरात्रि पर होगा दीपावली जैसा नजारा

भोपाल। देश की मुख्य ज्योतिलिंगों में से एक महा कालेश्वर की नगरी उज्जैन में महा शिवरात्रि के मौके पर दीपावली जैसा नजारा रहेगा। इस दिन 21 लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों के साथ आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि उज्जैन में 18 फरवरी को महा शिवरात्रि का पर्व दीपावली की तरह मनाया जाएगा। श्री महाकाल महालोक का स्वरूप देश सहित सम्पूर्ण विश्व में चर्चा का विषय है। महाशिवरात्रि पर अवंतिकावासी 21 लाख दीप प्रज्जवलित कर महाकाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करेंगे। महा शिवरात्रि दीपोत्सव को शिव ज्योति अपर्णम2023 का नाम दिया गया है।

प्रयागराज दौरा रद्द....

राहुल गांधी के चार्टेड प्लेन को वाराणसी में उतरने से रोका गया

प्रयागराज। एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का प्रयागराज दौरा निरस्त हो गया है। वे अपने संसदीय क्षेत्र केरल के वायनाड से सोमवार की रात प्रयागराज आने वाले थे। रात 10.30 बजे उन्हें वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पहुंचना था। वहां से सड़क मार्ग से प्रयागराज आने का कार्यक्रम तय था, लेकिन वे वायनाड से सीधे दिल्ली चले गए। राहुल निजी दौरे पर प्रयागराज आ रहे थे। उन्हें कमला नेहरू ट्रस्ट के कार्यक्रम में शामिल होना था। राहुल के दौरे की सूचना मिलने पर

सोमवार की शाम स्वराज भवन, आनंद भवन व कमला नेहरू अस्पताल में पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई। स्वराज भवन में रात्रि विश्राम करने के बाद मंगलवार की सुबह 9.30 बजे स्वराज भवन में उनकी कमला नेहरू अस्पताल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. मधु चंद्रा, वरिष्ठ परामर्शदाता पद्मश्री डा. बी. पाल सहित अन्य डाक्टरों से चाय पर चर्चा होनी थी। वहां से सड़क मार्ग से प्रयागराज आने का कार्यक्रम तय था, लेकिन वे वायनाड से सीधे दिल्ली चले गए इसके बाद दोपहर में उनके द्वारा कमला नेहरू अस्पताल में रेडिएशन की अत्याधुनिक मशीन लिनियर एक्सीलेरेटर का लोकार्पण करने का कार्यक्रम निर्धारित था। कांग्रेस के प्रयागराज प्रांत के अध्यक्ष अजय राय के अनुसार सुरक्षा कारणों से राहुल गांधी का दौरा निरस्त हुआ है। अब वे एक-दो दिनों में दिल्ली से सीधे प्रयागराज आएंगे।

टाटा एयर इंडिया की मेगा डील को मंजूरी

एयरबस से 250 विमान खरीदने का फैसला,मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से न्यू एयर इंडिया-एयरबस साझेदारी के शुभारंभ में शामिल हुए। इस दौरान टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि हमने एयरबस के साथ खास रिश्ता बनाया है। मुझे यह एलान करते हुए खुशी हो रही है कि हमने एयरबस से 250 एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। टाटा समूह के प्रमुख एन चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया, एयरबस कंपनी से 250 विमान खरीदेगी। इसमें 40 वाइड बॉडी ए-350 विमान और 210 नैरो बॉडी विमान शामिल हैं। समझौते में ऑर्डर बढ़ाने के विकल्प को भी रखा गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं एयर इंडिया-एयरबस को इस लैंडमार्क समझौता के लिए बधाई देता हूं। इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए मेरे मित्र इमैनुएल मैक्रॉन को मैं विशेष रूप से धन्यवाद करता हूं। यह महत्वपूर्ण डील भारत और फ्रांस के गहरे संबंधों के साथ-साथ भारत के नागरिक उड्डयन की सफलताओं को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि हम क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के माध्यम से देश के सुदूर हिस्से भी एयर कनेक्टिविटी से जुड़ रहे हैं, जिससे लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। भारत की मेक इन इंडिया - मेक फॉर द वर्ल्ड विजन के तहत एयरोस्पेस मैन्यूफैक्चरिंग में अनेक नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर और बहुपक्षीय प्रणाली

की स्थिरता और संतुलन सुनिश्चित करने में भारत-फ्रांस भागीदारी प्रत्यक्ष भूमिका निभा रही है। चाहे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता का विषय हो या वैश्विक खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणाली, भारत और फ्रांस साथ मिलकर सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र को अगले 15 साल में 2000 से अधिक विमानों की जरूरत होगी। भारत इस क्षेत्र में विमानन क्षेत्र के लिए रखरखाव और मरम्मत का केंद्र भी बन सकता है। इस बीच फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा कि यह उपलब्धि दिखाती है कि एयरबस और सभी फ्रेंच सहयोगी भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। हमने भारत के साथ बहुत कुछ हासिल किया है। हमारे पास इसे और आगे ले जाने का ऐतिहासिक मौका है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि महामारी के खत्म होने के बाद से दोनों देशों के बीच अधिक आदान-प्रदान होना चाहिए। छात्रों, वैज्ञानिकों, कलाकारों, व्यापारियों, महिलाओं, पर्यटकों का फ्रांस में स्वागत है। मैं सभी को फ्रांस-भारत की दोस्ती का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और बिजनेस व ट्रेड सचिव केमी बडेनोच ने एयर इंडिया के लिए नए विमान प्रदान करने के लिए एयरबस और रोल्स-रॉयस के लिए एक महत्वपूर्ण सौदे का स्वागत किया है। यह सौदा अरबों पाउंड का है।

पीएम मोदी और इमैनुएल मैक्रॉ भी थे मौजूद......

इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भाग लिया। पीएम मोदी ने इसे एक ऐतिहासिक घटना कहा और कहा कि यह न केवल भारत और फ्रांस के गहरे संबंधों को दर्शाता है, बल्कि भारत के विमानन क्षेत्र की सफलता को भी दर्शाता है। उन्होंने निवेशकों से उड्डयन उद्योग में भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 'भारत एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और संचालन) का केंद्र बन सकता है। आज, सभी वैश्विक विमानन कंपनियां भारत में मौजूद हैं, इसलिए मैं सभी से इस अवसर का लाभ उठाने का अनुरोध करता हूं।' वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा और अन्य नेताओं ने भी इस डील पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस आर्टिकल में हम एमटेक करने वाले इंडियन प्रोफेशनल्स के लिए उपलब्ध करियर ऑप्शन्स पर चर्चा कर रहे हैं. आपके लिए यह बहुत जरुरी है कि आप एमटेक की डिग्री हासिल करने के बाद स्टूडेंट्स या प्रोफेशनल्स के लिए भारत में उपलब्ध विभिन्न सूटेबल जॉब ऑफर्स, करियर ऑप्शन्स या हायर स्टडीज़ के बारे में पहले से ही समुचित जानकारी हासिल कर लें. आइये इस आर्टिकल में हम इस टॉपिक पर विस्तार से चर्चा करें ताकि आपको एमटेक के बाद विभिन्न करियर ऑप्शन्स के बारे में और अधिक सटीक तथा महत्त्वपूर्ण जानकारी मिल जाए और आप इस जानकारी के आधार पर अपने लिए कोई करियर लाइन या हायर स्टडीज़ के लिए कोर्स चुनते समय उपयुक्त निर्णय ले सकें.

एमटेक डिग्री होल्डर्स के लिए करियर ऑप्शन्स

एमटेक डिग्री होल्डर्स ले सकते हैं डॉक्टोरल डिग्री (पीएचडी) में एडमिशनविदेश से हासिल करें पीएचडी की डिग्रीएमटेक डिग्री होल्डर्स के लिए उपलब्ध हैं ये विशेष अवसरफेक यूनिवर्सिटीज में एडमिशन लेने से जरुर बचें

डॉक्टोरल डिग्री (पीएचडी) में एडमिशन

अगर आप टीचिंग के प्रोफेशन में जाना चाहते हैं या आप किसी रिसर्च एवं डेवलपमेंट कंपनी में काम करने का शौक रखते हैं तो आप अपनी एमटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने पसंदीदा विषय में पीएचडी कर सकते है. जब आप एमटेक के बाद पीएचडी करने का इरादा कर लेते हैं तो आपका ऑब्जेक्टिव स्पष्ट होना चाहिए कि आप टीचिंग या रिसर्च को अपने करियर ऑप्शन के तौर पर चुन रहे हैं. भारत में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन्स (आर एंड डी) जैसी सेंट्रल यूनिवर्सिटीज को मंजूरी दी है. टीचिंग प्रोफेशन बेशक आकर्षक पेशा है लेकिन इसमें काफी चुनौतियां भी आती हैं. आप अपने जोश और रूचि के अनुसार, एमटेक के बाद अपना करियर चुन सकते हैं.

ज्वाइन कर सकते हैं सूटेबल जॉब

आजकल के ट्रेंड को देखते हुए, आपको अपनी बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद जो जॉब प्रोफाइल मिलती है, वही जॉब एमटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद भी मिल सकती है. हालांकि, एमटेक की डिग्री मिलने के बाद आपके जॉब

रोल और पोजीशन के तहत आपको ज्यादा जिम्मेदारियां सौंपी जायेंगी और आपका सैलरी पैकेज भी काफी अच्छा होगा. इसके अलावा, एमटेक की डिग्री हासिल करने के बाद क्योंकि आपको टेक्निकल प्वाइंट्स की ज्यादा अच्छी जानकारी और समझ होगी और आप अपने सुपूर्द कार्यों के बारे में ज्यादा अच्छी तरह सोच-विचार कर सकेंगे, इसलिये आप अपने सभी काम ज्यादा बेहतरीन और फायदेमंद तरीके से करने में सक्षम होंगे. आप एमटेक की डिग्री हासिल करने के बाद, बड़ी सरलता से रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन्स, मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स और कंपनियों में किसी प्रोजेक्ट मैनेजर, रिसर्च एसोसिएट और सीनियर इंजीनियर्स के तौर पर जॉब प्राप्त कर सकते हैं.

एमटेक प्रोफेशनल्स के लिए बढ़िया टीचिंग प्रोफेशन भी

आमतौर पर, अधिकांश स्टूडेंट्स अपनी एमटेक की डिग्री प्राप्त करने के बाद एकेडेमिक जॉब्स करना पसंद करते हैं. आजकल, भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र का बड़ी तीव्र गति से विकास हो रहा है और इस कारण डीम्ड यूनिवर्सिटीज, शिक्षा संस्थानों और कॉलेजों में टीचर्स और प्रोफेसर्स की मांग काफी बढ़ रही है. एमटेक करने के बाद टीचिंग का पेशा ज्वाइन करने के लिए, स्टूडेंट्स को इस बात का ध्यान जरुर रखना चाहिए कि उनके पास इस पेशे के लिये बेहतरीन कम्युनिकेशन और प्रेजेंटेशन स्किल्स अवश्य होने चाहिए क्योंकि इन दोनों ही स्किल्स का टीचिंग प्रोफेशन में खास महत्व है. इसके अलावा, आपको टीचिंग का शौक भी होना चाहिए और आपको बड़े धैर्य और शांति के साथ अपने स्टूडेंट्स के साथ व्यवहार करना चाहिए. आपको किताबें और जर्नल्स पढ़ने की आदत डालनी होगी ताकि आपको अपने संबद्ध विषय में प्रचलित ट्रेंड्स की पूरी जानकारी हो.

शुरू करें अपनी कंपनी या स्टार्टअप

क्या आप एमटेक करने के बाद एक एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैं? यह बहुत बढ़िया करियर ऑप्शन है. बहुत ही कम एमटेक ग्रेजुएट्स अपनी कंपनी खोलना चाहते हैं. हालांकि, आपके लिए यह एक अच्छी खबर है कि एमटेक की डिग्री के आधार पर आपको वेंचर कैपिटलिस्ट्स से फंड और इंवेस्टमेंट्स को लेकर काफी सहायता मिलेगी. अगर आप अपना काम या व्यापार पूरे डेडिकेशन के साथ करना चाहते हैं और आप उपयुक्त बिजनेस सेंस के साथ एक निडर व्यक्ति हैं तो आप अवश्य एक सफल एंटरप्रेन्योर बनेंगे. हमारी शुभकामनायें आपके साथ हैं.

पीएचडी-स्पेशलाइजेशन

पीएचडी होल्डर को हमेशा महत्वपूर्ण समझा जाता है और उन्हें काफी सम्मान मिलता है. अगर आप एमटेक के बाद डॉक्टोरल स्टडी करना चाहते हैं तो इससे आपको आश्चर्यजनक फायदा होगा बशर्ते आप अपना काम पूरी लगन और जोश सहित करें. एमटेक में आपके स्पेशलाइजेशन विषय के आधार पर ही पीएचडी में आपका स्पेशलाइजेशन विषय निर्धारित होगा. उदाहरण के लिए, अगर आपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमटेक की है तो पीएचडी में आपका स्पेशलाइजेशन का विषय मैकेनिकल इंजीनियरिंग से संबद्ध होगा. यद्यपि, आपका वास्तविक रिसर्च एरिया अंतिम तौर पर इंस्टिट्यूट कमेटी का संबद्ध विभाग स्टूडेंट्स के नॉलेज बेस और एप्टीट्यूड के आधार पर निर्धारित करता है. आजकल, पीएचडी में इंटर-डिसिप्लिनरी अप्रोच काफी लोकप्रिय हो रही है. इसका यह मतलब है कि पीएचडी स्टूडेंट्स एक साथ दो पीएचडी स्पेशलाइजेशन्स चुन सकता है, जहां गाइडेंस के लिए एक से ज्यादा एक्सपर्ट्स की जरूरत पड़ेगी.

फेलोशिप्स

आईआईएससी, बैंगलोर जैसे प्रसिद्ध इंजीनियरिंग इंस्टिट्यूट्स की पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए अपनी अलग फंडिंग पॉलिसीज हैं. फेलोशिप में रु. 19,000 - रु. 24,000 तक प्रतिमाह दिए जाते हैं. आमतौर पर, इस कोर्स की अवधि 3 वर्ष होती हैं जिसे जरुरत के मुताबिक बढ़ाया जा सकता है.

स्कॉलरशिप्स

डिपार्टमेंट ऑफ़ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, यूजीसी, एआईसीटीई और सीएसआईआर पीएचडी स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप्स ऑफर करते हैं. महिला साइंटिस्ट्स के लिए भी अलग स्कॉलरशिप स्कीम्स हैं. उक्त सरकारी संस्थानों के अलावा, शेल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्राइवेट कंपनियां भी इंडस्ट्री संबंधी प्रॉब्लम्स में स्पेशलाइजेशन करने वाले पीएचडी स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप उपलब्ध करवाती हैं. इसके अलावा, कई प्राइवेट कंपनियां भी देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक्टिविटीज को बढ़ावा देने के लिए इंवेस्टमेंट करके अपना योगदान देती हैं.

जो स्टूडेंट्स पीएचडी करना चाहते हैं, उन्हें निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए -

- कोई भी इंस्टिट्यूट चुनने से पहले, स्टूडेंट्स को उस इंस्टिट्यूट की इंफास्ट्रक्चरल फैसिलिटीज और लाइब्रेरी की कंडीशन, इक्विपमेंट्स, लेब्स आदि जैसी अन्य सुविधाओं को अच्छी तरह चेक कर लेना चाहिए.
- पीएचडी के स्पेशलाइजेशन एरिया के मुताबिक ही एक्सपर्ट्स का चयन किया जाना चाहिए. अन्यथा, पीएचडी स्टूडेंट और संबद्ध गाइड के बीच अलगाव की स्थिति हमेशा कायम रहेगी.
- असल में, कोई भी पीएचडी प्रोग्राम एक ओपन-एंडेड प्रोग्राम होता है और यह तब तक पूरा नहीं समझा जाता है जब तक कि स्टूडेंट्स अपना रिसर्च कार्य अच्छी तरह पूरा न करें. इसलिये, आप अपने पीएचडी के पहले वर्ष से ही अपने रिसर्च कार्य को पूरी गंभीरता के साथ करें.

विदेश से हासिल करें पीएचडी की डिग्री

- जो स्टूडेंट्स विदेश में पीएचडी करना चाहते हैं, उनके लिए काफी उज्ज्वल संभावना होती है. स्टेनफोर्ड, पिट्टसबर्ग, बर्कले और विस्कॉन्सिन जैसी काफी प्रसिद्ध यूनिवर्सिटीज, जो सभी जरुरी मॉडर्न फैसिलिटीज से पूरी तरह लैस होती हैं. इसलिये, ये यूनिवर्सिटीज आपकी पीएचडी की स्टडी बिना किसी रुकावट के पूरी करने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकती हैं. विदेश में अपनी पीएचडी स्टडीज करने के लिए, स्टूडेंट्स को टीओईएफएल और जीआरई एग्जाम पास करने पड़ते हैं. इन एग्जाम्स में प्राप्त किये गये स्कोर्स के आधार पर, आप किसी सुप्रसिद्ध इंटरनेशनल कॉलेज में एडमिशन ले सकते हैं.
- हमारे यहां पीएचडी प्रोग्राम्स के लिए जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया को भी सबसे पसंदीदा स्थानों में शामिल किया जाता है. विभिन्न यूरोपीयन देशों में पीएचडी करने की लागत काफी कम है, हालांकि, इन देशों में कॉस्ट ऑफ़ लीविंग काफी ऊंची है.

एमटेक डिग्री होल्डर्स के लिए उपलब्ध हैं ये विशेष अवसर

किसी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से अपनी पीएचडी की पढ़ाई करने के बारे में कोई इंस्टिट्यूशन चुनते समय आप पूरी सावधानी बरतें और उस इंस्टिट्यूट की क्रेडिबिलिटी एवं एक्रीडिटेशन को डबल चेक करें. भारत में एआईसीटीई की तरह ही, यूएसए में एक्रीडिटेशन प्रोसेस को एबीईटी मेनटेन रखता है. इसलिये, स्टूडेंट्स संबद्ध यूनिवर्सिटी की एबीईटी एक्रीडिटेशन रेटिंग जरुर चेक करें और उसके बाद ही कोई निर्णय लें.

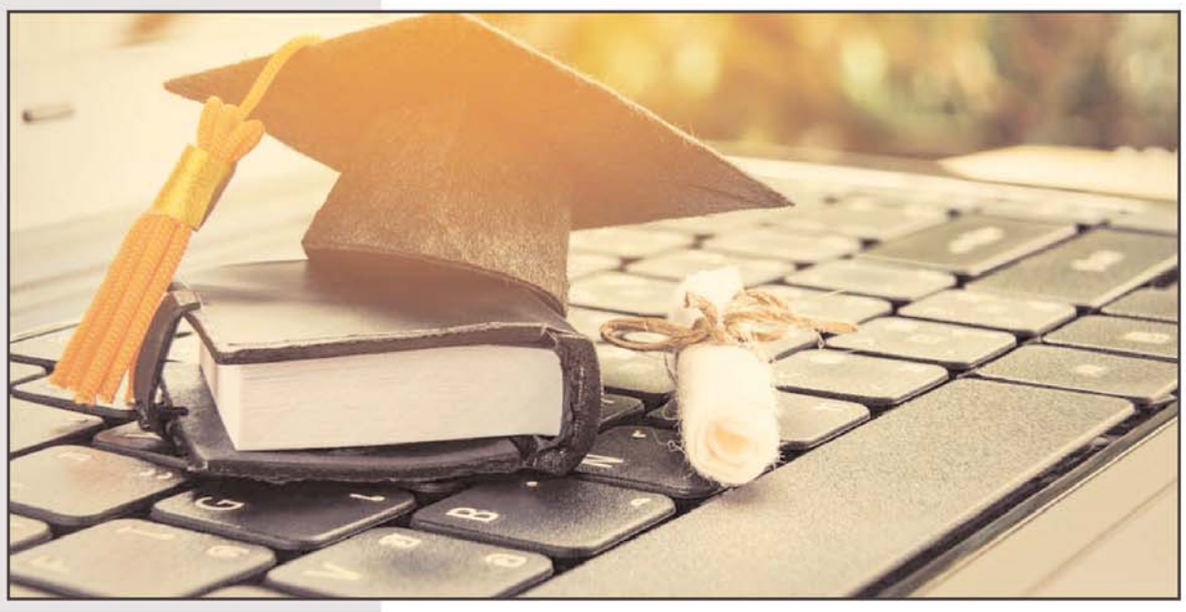

इंटरव्यू में जरूरी है आत्मविश्वास

किसी इंटरव्यू में सबसे पहले इस बात का आकलन किया जाता है उम्मीदवार आत्म विश्वास से भरा है या नहीं।

किसी इंटरव्यू में सबसे पहले इस बात का आकलन किया जाता है उम्मीदवार आत्मविश्वास से भरा है या नहीं। नियोक्ता किसी कर्मचारी में जिन जरूरी स्किल की तलाश करता है, उनमें आत्मविश्वास सबसे प्रमुख होता है। कई बार ऐसा भी देखा जाता है कि अच्छे उम्मीदवारों का भी जॉब में सिलेक्शन नहीं होता है क्योंकि इंटरव्यू के दौरान वह काफी नर्वस था या उसमें आत्मविश्वास की कमी इंटरव्यू लेने वालों को खल रही थी। आत्मविश्वास सिर्फ इंटरव्यू में ही नहीं, जॉब के दौरान भी आपको हर जगह दिखाना होता है। इस पर आपकी तरक्की भी निर्भर करती है। इसलिए खुद को कॉन्फिडेंट बनाने का हुनर आपको सीखना ही चाहिए।

प्रोफेशनल दिखें

जब आप किसी जॉब के लिए आवेदन करते हैं, तो आवेदन या रिज्यूमे में ही अपने बारे में बेहतर से बेहतर तस्वीर दिखाने की पूरी कोशिश करते हैं। मगर इंटरव्यू के दौरान भावी एम्प्लॉयर यह पता लगा लेता है कि आप वास्तव में क्या हैं। इसलिए आपको उसी हिसाब से अपना व्यवहार दिखाना होगा। इंटरव्यू या जॉब के दौरान आपको पूरी तरह प्रोफेशनल दिखना चाहिए।

अपनी क्षमता पर भरोसा

सबसे पहले तो आपको खुद की क्षमता पर भरोसा करना होगा। आपने अपने रिज्यूमे में खुद अपनी काबिलियत की तारीफ की है, तो उस पर भरोसा भी करें। यह मान लें कि आपके अंदर क्षमता है और आप किसी इंटरव्यू को अच्छी तरह से फेस कर सकते हैं या कोई नया चुनौतीपूर्ण काम मिलने पर उसे भली भांति कर सकते हैं।

नेटवर्किंग की कला

नेटवर्किंग से आपके अंदर की घबराहट कम होती है और सीनियर लोगों से मिलने-जुलने, उनके अनुभव जानने से आपको मार्गदर्शन मिलता है। इससे आपको यह सीख मिलती है कि इंटरव्यू के दौरान या जॉब के दौरान किस तरह पेश आना चाहिए।

अति से बचें

ज्यादातर लोग आत्मविश्वासी बनने के चक्कर में अति- आत्मविश्वास से भर जाते हैं। फिर यह ईगो का रूप ले लेता है। कम योग्यता होते हुए भी कई बार लोग यह सोचते हैं कि उनसे बेहतर कोई नहीं और किसी जॉब के लिए उनका सिलेक्शन तो तय है। इस बात का ध्यान रखें कि जब आप रिज्यूमे या कवर लेटर बनाएं, तो वह विज्ञापन जैसा न हो।

सही सवाल करें

ऐसे समय में उम्मीदवार सबसे ज्यादा मुश्किल में दिखता है, जब इंटरव्यूअर उससे पूछता है, 'क्या आप हमसे कोई सवाल करना चाहते हैं?' अगर आपके सामने ऐसी स्थिति आती है, तो इस बात का ध्यान रहे कि आपका सवाल सही तरीके का हो। आप चाहें, तो जॉब में संभावित चुनौतियों के बारे में सवाल पूछकर अपनी रुचि और आत्मवश्विास दर्शा सकते हैं। या फिर आप इंटरव्यूअर से यह सवाल भी कर सकते हैं कि उनके लिए सफलता का मतलब क्या है।

अपना ज्ञान बढ़ाएं

अपनी ताकत और कमजोरियों के बारे में अच्छी जानकारी से आत्मविश्वास बनाए रखना आसान होता है। बिना किसी आत्म-मुग्धता के ऐसा तरीका निकालें कि ताकत वाले गुण कैसे बढ़ें और कमजोरियों को कैसे कम किया जा सके।

ब्रेकिंग न्यूज

सार्वजनिक स्थल में मदिरापान करते दो पकड़ाए

कोरबा। अपने-अपने गांव के सार्वजनिक स्थल में मदिरापान कर हंगामा मचा रहे दो लोगों को पकड़कर पाली पुलिस ने उनके विरूद्ध 36च आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उनका प्रकरण विचारण के लिए न्यायालय भेज दिया। जानकारी के अनुसार पाली थानांतर्गत ग्राम धौराभाठा निवासी ईश्वर सिंह मरावी उम्र 35 पिता हरिहर सिंह मरावी तथा ग्राम नुनेरा निवासी मंगलू अघरिया उम्र 58 पिता भैरा अघरिया अपने.अपने गांव के सार्वजनिक स्थान में मदिरापान कर हंगामा मचा रहे थे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पाली पुलिस ने दोनों को पकड़कर उनके विरूद्ध क्रमशः अपराध क्रमांक 44/23, 45/23 धारा 36च आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उनका प्रकरण विचारण के लिए पाली न्यायालय भेज दिया है।

बरॉज पुल की दुर्दशा पर ध्यान नहीं

कोरबा। कोरबा.कटघोरा मार्ग पर दर्री में हसदेव बरॉज सड़क पुल की दुर्दशा के मामले में किसी भी स्तर पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। 300 मीटर लंबाई वाले इस सड़क को ठीक करने का काम अब तक नहीं हो सका है जबकि ध्यानचंद चौक से पुल के एक सिरे और दूसरे सिरे से दर्री के आगे तक की सड़क ठीक कर ली गई है। लोगों की समझ से परे है कि आखिर पुल के उपरी हिस्से की जर्जर स्थिति को किन कारणों से इस तरह छोड़ दिया गया है। इस रास्ते से पार होने के दौरान वायु प्रदूषण सबसे बड़ी समस्या बना हुआ है।

वार्डों के आंतरिक मार्गों को किया जा रहा है बेहतर

कोरबा। नगर निगम ने नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधा देने के लिए काम तेज किया है। पिछले दिनों एमआईसी की बैठक में लिए गए बैठक के बाद इस पर अमल शुरू हुआ है। एमपी नगर सहित अनेक वार्डों में आंतरिक मार्गों को बेहतर किया जा रहा है। इससे काफी हद तक राहत मिली है। बताया गया कि इलाके के पार्षदों की ओर से समस्याओं के बारे में निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया था। इसके साथ ही बताया गया था कि इन कारणों से नागरिक परेशान हैं और वे राहत चाहते हैं। अगली कड़ी में प्रस्ताव तैयार करने के साथ आगे का काम किया गया। वर्तमान में आंतरिक मार्गों को ठीक करने और अन्य मामलों में नवीनीकरण की कार्यवाही की जा रही है। सभी क्षेत्रों में इस प्रकार के कार्यों को अंजाम दिया जाना है। पहले ही कहा जा चुका है कि सभी क्षेत्रों की जरूरतें पूरी करने के लिए निगम के पास पर्याप्त फंड है और इसकी उपयोगिता सुनिश्चित की जानी है। इससे पहले निगम के मेयर राजकिशोर प्रसाद ने शहरी क्षेत्र के अंतर्गत पूर्व में स्थापित किये गए उद्यानों का निरीक्षण किया और यहां की कमियों को दूर करने के लिए निर्देशित किया। कहा गया है कि निश्चित कार्य योजना के अंतर्गत यहां कार्रवाई की जाएगी ताकि व्यापक जनहित में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का लाभ मिल सके।

युवक ने किया जहर सेवन

कोरबा। परसभाटा बालकोनगर निवासी युवक संतराम चौहान ने भोजन में जहर मिलाकर सेवन कर लिया। बताया गया कि किसी बात पर अपनी माँ से उसका विवाद हो गया था। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नुक्क ड़ नाटक आयोजित कर बताया जा रहा है-साइबर ठगी से कैसे बचें

कोरबा। तेजी से बढ़ रहे सायबर ठगी को रोकने के साथ ही लोगों को जागरुक करने के लिए महाराष्ट्र की क्विकहील फाउंडेशन द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। सेवा भारती संगठन के साथ मिलकर उनके द्वारा स्कूल, कॉलेज व चैक चैराहों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया जा रहा है, कि वे किस तरह ठगी से बच सकते है। कोरबा के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में भी कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरुक किया गया। देश में सायबर ठगी का मकडज़ाल तेजी से फैल रहा है। पढ़े लिखे शिक्षित लोग भी ठगों के झांसे में आकर अपनी जिंगदी भर की गाढ़ी कमाई गंवा बैठते है। ऑनलाईन ठगी को रोकने के साथ ही लोगों को जागरुक करने के लिए महाराष्ट्र की क्विकहील फाउंडेशन ने लोगों को जागरुक करने का बीड़ा उठाया है जिसके द्वारा पूरे प्रदेश में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कोरबा के सीएसईबी सरस्वति शिशु मंदिर में सेवा भारती संगठन के सहयोग से फाउंडेशन जागरुकता कार्यक्रम चला रहा है जहां नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को ठगों से बचाने जरुरी जानकारी दी गई। 8 से 16 फरवरी तक यह अभियान चलेगा जिसमें प्रदेश के सभी स्कूल, कॉलेजों चैक चैराहों पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरुक किया जाएगा। सायबर ठगी पर विराम लगाने के लिए पुलिस, प्रशासन के साथ ही बैंक प्रबंधन भी लगातार जागरुकता अभियान चला रही है बावजूद इसके इस तरह के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे। रोजाना कहीं न कहीं इस तरह के मामले सामने आ रहे है। इस तरह के मामलों पर तब तक विराम नहीं लगेगा जब तक हम जागरुक नही होंगे। इसलिए लोगों को सतर्क रहना होगा और दूसरों को भी सचेत करना होगा ताकी ठगों के मंसूबो पर पानी फेरा जा सके।

समय-सीमा की बैठक में सभी विभागीय अधिकारी साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट के साथ होवे उपस्थित: कलेक्टर

सभी अधिकारी विभागीय कार्यों सहित फील्ड में चल रहे कार्यों का करें नियमित निरीक्षण - कलेक्टर

- कलेक्टर ने अभियान चलाकर राजस्व के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के दिए निर्देश
- सभी पात्र नागरिकों का तेजी से आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेते हुए सभी अधिकारियों को विभागीय कार्यों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट की जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को विभागीय कामकाज सहित फील्ड में चलने वाले विभागीय कार्यों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में आयुष्मान कार्ड से वंचित पात्र लोगों का जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनाए जाने कहा। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित राजस्व अधिकारियों को अभियान चलाकर राजस्व के लंबित प्रकरणों का निराकरण कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर लगाकर प्रकरणों का तेजी से निराकरण कराये जाने कहा। इसके साथ ही कलेक्टर ने जिले में अवैध प्लाटिंग पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कामकाज की समीक्षा करते हुए गोधन न्याय योजना के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने गोबर खरीदी, वर्मी खाद, खाद का उठाव, वर्मी भुगतान की स्थिति, गोमूत्र खरीदी, पैरादान, चारागाह के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने जिले में प्रगतिरत गौठान सहित अप्रारंभ गौठानों के कारणों की जानकारी ली तथा उनके लिए जल्द से जल्द स्थल चिन्हाकित कर तेजी से कार्य करने कहा।

कलेक्टर ने जिले के गौठानो में नेपियर घास निर्धारित समय पर लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी और विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से खाद का गुणवत्ता पूर्ण निर्माण करने तथा विक्रय कराए जाने कहा। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों में शिक्षकों की नियमित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराए जाने कहा तथा राजस्व अधिकारियों को स्कूलों का नियमित निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए।

जिससे जिले के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। कलेक्टर ने जिले में पर्यटन के दृष्टिकोण से बेहतर स्थलो को चिन्हाकित करते हुए स्थल का परीक्षण कर आधारभूत जानकारी पर्यटन बोर्ड को भेजने कहा। कलेक्टर ने जिले से पलायन करने वाले मजदूरों की जानकारी भी पोर्टल पर नियमित एंट्री कराये जाने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए तेजी से उनका निराकरण करने के निर्देश दिए तथा उनके द्वारा कलेक्टर जनचौपाल, जनशिकायत पोर्टल में प्राप्त आवेदनों का विभागवार समीक्षा भी किया गया।

इसके साथ ही कलेक्टर ने अविवादित नामांतरण, जाति प्रमाण पत्र, खेल मैदानों का जीयोटैगिंग, सीमार्ट, हेल्थ एण्ड वेलनेश सेंटर, प्रधानमंत्री आवास, नल जल योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वन अधिकार पट्टा, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थिति, अतिरिक्त कक्ष निर्माण, हाट बाजार क्लीनिक योजना, शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, पोषण पुनर्वास केंद्र, चिटफंड, कृष्ण कुंज, लोक सेवा गारंटी, धन्वंतरी योजना, मनरेगा, शिवरीनारायण स्टेडियम, विभिन्न निर्माण कार्यों सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। समय सीमा की बैठक में वनमंडाधिकारी श्री दिनेश पटेल, अपर कलेक्टर श्री एस पी वैद्य, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ ज्योति पटेल सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट प्रतियोगिता ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी जाँजगीर

जाँजगीर-चाम्पा। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जाँजगीर में विद्यालय के निर्देशक आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या सोनाली सिंह के निर्देशन एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट प्रभारी शिक्षिका सुश्री स्वाति सिंह के मार्गदर्शन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कक्षा-छठवी के छात्र-छात्राओं द्वारा अनेक प्रकार के वैज्ञानिक एवं कम्प्यूटर तकनिकी से लैस उपकरण चलित मॉडल प्रर्दशित किये गये। सभी मॉडल में नवीन तकनिकी प्रणाली एवं कोडिग पर आधारित रही। बच्चों के मॉडल द्वारा मानव संसाधन में कमी एवं कार्य कुशल पूर्वक सम्पन किये जाने वाले थे। जैसे- रोबोटीक्स ह्यूमन रोबोट् सर्विस रोबोट् वैक्यूम क्लिनर और फर्श धुलाई उपकरण आदि मॉडल सेंसर व कोडिग पर आधारित रहे। बच्चों को स्कूल में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कक्षा संचालित की जाती है। जिसमें वर्ष भर कम्प्यूटर कोडिग ष्ट++, छ्वड्ड1ड्ड, क्काह्ल्द्धशठ्ठ, ,ह्स्रह्वद्धठ्ठश की जानकारी थ्योरी एवं प्रैक्टिकल कक्षाओं में प्रशिक्षित शिक्षिकाओं प्रशिक्षण दिया जाता है। आज दिनाँक 14-02-2023 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में तीन मॉडल का टीम द्वारा प्रजेन्टेशन किया गया प्रोजेक्टर के माध्यम से अपने मॉडल की पी.पी.टी. द्वारा जानकारी दी। टीम ए का मॉडल सर्विस रोबोट स्वप्नील केशव सौम्या आस्था आकृति तनिषी आर्यन समर प्रियाश टीम बी का मॉडल फ्लोर क्लिनर अंश यश नमन यश अदिष्ट लक्ष्य टीम सी आर्ची आद्या गौरी काब्या जीनी ग्लोरीया रोमानिया के द्वारा वैक्यूम क्लिनर प्रस्तुत किया गया। सभी शिक्षको द्वारा छात्रों के प्रयोगात्मक प्रतियोगिता की उत्साह वर्धन किया गया।

भाजपा जिला विधि प्रकोष्ठ के नव मनोनीत पदाधिकारियों का किया गया स्वागत

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जय प्रकाश चंद्रवंशी के निर्देशानुसार भाजपा जिला विधि प्रकोष्ठ की बैठक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजेंद्र साहू की अध्यक्षता में रविवार 11 फरवरी को भाजपा कार्यालय कोरबा में आहूत की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंगए विशिष्ट अतिथि विधि प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश शर्मा, दीपक दुबे, महामंत्री संतोष देवांगन, मंत्री संदीप सहगल, मनोज मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधि प्रकोष्ठ कोरबा के नव मनोनित पदाधिकारियों सह संयोजक किरण भान शांडिल्य, सह आईटी सेल प्रभारी रवि शर्मा, सह मीडिया प्रभारी लछमन पटेल, सह सोशल मीडिया प्रभारी सुनील सोनवानी, सह कार्यालय प्रभारी रवि भगत का स्वागत जिला संयोजक राजेंद्र साहू ने किया। वहीं रामपुर विधानसभा सदस्य मोहित बारेठ, जय नारायण पटेल, सुरेंद्र साहू, उत्तम महंत, बिशन लाल कर्ष, कोरबा विधानसभा सदस्य बुधराम पटेल, श्रवण थवाईत, अखिलेश साहू, अशोक पाल, बसंत सिंग, कटघोरा विधानसभा सदस्य धन्नू दुबे, राघवेन्द्र बघेल, कुशवा राम कैवर्त, हरि राम साहू, रामकुमार निषाद एवं पाली विधानसभा सदस्य तीरथ राम डिक्सेना, दिलीप शिंदे, मनीष देवांगन, मनोज प्रजापति व योगेश जायसवाल को मनोनित किया गया है।

बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश में पार्टी की जीत के लिए भाजपा के किए गए विकास कार्यों एवं वर्तमान कांग्रेस सरकार की विफ्लता को आम जनता बताने सहित अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

पुलवामा में हुए शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि-विवेकानंद विद्यालय के द्वारा

राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट...

बेलतरा-बिलासपुर। आज स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर बेलतरा में पुलवामा में शहीद हुए जवानों को नमन किया गया द्य बच्चों को पुलवामा में हुए घटना को अच्छे से बताया गया द्य सभी स्टाफ एवं बच्चों द्वारा अगरबत्ती जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर कर पुलवामा में शहीद हुए सभी जवानों का नाम लेकर अमर रहे एवं उनका जयकारा लगाया गया द्य बच्चों को याद दिलाया गया कि आज के दिन 14 फरवरी 2019 को जैसए मोहम्मद के एक आतंकी ने पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले में विस्फोट क लेकर जा रहे एक वाहन को टक्कर मार दी थी द्य इस हमले में हमारे देश के 40 जवान शहीद हो गए थे द्य यह हमारे देश के लिए बहुत ही बड़ा नुकसान रहा और इसकी पूर्ति नहीं किया जा सकता है द्य पूरे देश में आज के दिन को काला दिवस ब्लैक डे के नाम से मनाया जाता है द्य आज दिवस के ऊपर बच्चों द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया।

विवेकानं सरस्वती शिशु मंदिर में मातृ पितृ दिवस मनाया

राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट...

बेलतरा बिलासपुर। सरस्वती शिशु मंदिर बेलतरा में मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया गया ,सर्वप्रथम माता सरस्वती के छायाचित्र पर बच्चों के आए हुए अभिभावक तथा मुख्य अतिथि के द्वारा माल्यार्पण किया गया बच्चों के द्वारा दीप वंदना एवं सरस्वती वंदना किया गया

उसके बाद सभी अभिभावक एवं मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया उसके बाद पंक्ति में सभी अभिभावकों को बैठाकर बच्चों के द्वारा तिलक, पुष्प ,श्रीफल एवं मुंह मीठा करा कर पूजन किया गया, सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें एक श्रेष्ठ नागरिक बनने ,परोपकारी बनने तथा पढ़ लिखकर विद्वान बनने का आशीर्वाद प्रदान किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिया पूजन कार्यक्रम समिति के सदस्य जमुना कश्यप एवं रामाधार श्रीवास गुरुजी ने संपन्न कराया। इस बीच नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा अरुण के बच्चे ने हनुमान चालीसा पाठ सुनाकर किया। खेल कूद में विजेता बने सभी बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र अतिथियों के द्वारा दिया गया, समिति के अध्यक्ष तोषण कश्यप जी ने बच्चों को खेल के महत्व के बारे में बताया तथा कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेल का हमारे जीवन में विशेष महत्व है सभी खेलकूद में भाग लें ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो, कार्यक्रम के अंत में आए हुए माताओं के द्वारा गेंद फेंको ,बिंदी लगाओ प्रतियोगिता भी संपन्न हुआ विजेता माताओं को श्रीफल के द्वारा पुरस्कृत किया गया सभी अभिभावकों ने इस मातृ पितृ पूजन दिवस की खूब प्रशंसा किया और कहा की इस प्रकार के संस्कार युक्त कार्यक्रम सिर्फ सरस्वती शिशु मंदिर में ही देखने को मिलते हैं। सभी अभिभावकों ने इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए सभी शिक्षकों और बहन जी को धन्यवाद दिया। सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य रमेश मेरावी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में तोषण कश्यप ,जमुना कश्यप रामाधार श्रीवास ,विकास जायसवाल ,कृष्णा यादव, सुब्रत सोनी, भुवनेश्वर कश्यप ,उषा यादव, अमित यादव ,एकल विद्यालय की बहन जी भगवती धीवर ,प्रधानाचार्य रमेश मेरावी, रोहित, बहनजी पुष्पलता ,परवीना ,मीनाक्षी अन्नपूर्णा एवं अभिभावक गण उपस्थित थे।

विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ फिर से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर

कोरबा। भारतीय मजदूर संघ से संबंद्ध छत्तीसगढ़ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ पिछले 9 फरवरी से पूरे प्रदेश भर में पुनरू अनिश्चितकालीन आंदोलन कर रहे हैं। प्रदेश के साथ-साथ कोरबा जिले में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ जिला कोरबा द्वारा प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालयों में काम काम बंद हड़ताल करते हुए अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री नवरतन बरेठ ने बताया कि बीते 14 दिसंबर से लेकर 20 दिसंबर तक पूरे प्रदेश भर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ की ओर से 8 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन किया गया। संघ की मांगों में समस्त आंगनबाड़ी कर्मियों को शासकीय कर्मी घोषित करने, पिछले 9 माह का एरियस का भुगतान करने, केंद्र सरकार के अनुरूप आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 18 हजार एवं सहायिकाओं को 9000 रुपये वेतन देने एवं तब तक कलेक्टर दर पर भुगतान करने, मिनी आंगनबाड़ी को मुख्य आंगनबाड़ी में परिवर्तित करने, आंगनबाड़ी कर्मियों को जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान करने, नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री प्राइमरी स्कूल में परिवर्तित करने तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्री प्राइमरी टीचर एवं सहायिकाओं को प्री प्राइमरी असिस्टेंट टीचर बनाए जाने आदि शामिल है। आंदोलन के पश्चात सभी जिलों में रैली निकालकर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं प्रधानमंत्री भारत सरकार को समस्याओं का निराकरण हेतु जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया था। पिछले 20 दिसंबर को महिला एवं बाल विकास मंत्री छत्तीसगढ़ अनिला भेड़िया से चर्चा की गई थी, जिसमें समस्याओं का निराकरण पर करवाई करने की आश्वासन दिया गया था। उसके बाद संघ ने आंदोलन को स्थगित कर दिया था, लेकिन आज दिनांक तक सरकार की ओर से किसी भी प्रकार का ठोस पहल नहीं किये जाने से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका 9 फरवरी से पुनरू आंदोलन पर बैठे हुए हैं। कोरबा जिले में प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय कटघोरा, पाली, पोड़ी.उपरोड़ा, करतला व कोरबा में आंगनबाड़ी का संचालन बंद करते हुए अनिश्चितकालीन आंदोलन चल रहा है। आंगनबाड़ी कर्मियों के आंदोलन पर जाने से पूरे प्रदेश के साथ-साथ कोरबा जिले में भी आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताला लटका हुआ है। सरकार की बहुआयामी योजना पोषण आहार जैसे विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। आंगनबाड़ी कर्मियों ने आंदोलन करते हुए सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द से जल्द ध्यान नहीं दिया जाता है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

(प्रथम आमंत्रण)

दिनांक 10.02.2023

निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा ''डी'' श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है. ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 02.03.2023 है.

एन.आई.टी. क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 328 Tender No. 124383	कसडोल अनुविभाग अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन गिरौद्पुरी, वि.खं. कसडोल का निर्माण कार्य.	रु. 41.80 लाख
NIT NO. 329 Tender No. 124384	बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन संडी, वि.खं. पलारी का निर्माण कार्य.	रु. 41.80 लाख
NIT NO. 330 Tender No. 124385	बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत पलारी में सेक्शनल स्टोर का निर्माण कार्य.	रु. 29.41 लाख
NIT NO. 331 Tender No. 124386	जिला महासमुंद के शासकीय स्व. राजा विरेन्द्र बहादुर सिंह महाविद्यालय सरायपाली में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य.	रु. 22.74 लाख
NIT NO. 332 Tender No. 124387	जिला महासमुंद के विकासखंड बसना अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल भवन लंबर का निर्माण कार्य.	रु. 60.99 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है. (राशि रु. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रु. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें.)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा.

अधीक्षण अभियंता

लो.नि.वि., रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

G-98456/2

भारतीय समाज : चिंतन से उपजी जातीय व्यवस्था

विजय शंकर पंकज

विश्व की सबसे प्राचीन भारत की सनातन परंपरा ने समाज के सभी वगरे में सहयोग, समन्वय, सामंजस्य और मैत्री भाव स्थापित करने के लिए कालांतर में कई मानक स्थापित किए। वर्ण व्यवस्था से लेकर जातीय समीकरण इन्ही मापदंडों के तहत है। इनमे किसी वर्ग विशेष का न तो कोई महत्त्व है और नहीं कोई योगदान। वैदिक काल में जिन विद्वानों ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया, वे ब्राह्मण कहलाए। उस समय सबके लिए किसी भी वर्ण में स्थापित होने का मार्ग खुला था।

कालांतर में जब वर्ण व्यवस्था (समाज) सभी वगरे को समायोजित करने में छोटी पड़ने लगी तो तात्कालिक चिंतकों के विचार-विमर्श से जातीय व्यवस्था बनाई गई। जातीय व्यवस्था भारतीय समाज के चिंतन से उपजी है। इसमें ब्रह्मण या किसी अन्य वर्ग का कोई योगदान नहीं है। जो लोग भारतीय समाज की जातीय व्यवस्था की ऊंच, नीच और छोटा, बड़ा की बात कहकर आलोचना करते हैं, वो समाज के समन्वय धरातल को नहीं पहचानते। दुनिया के सभी समाज में जातीय व्यवस्था है। भारत के अलावा दुनिया की किसी व्यवस्था में समन्वय और सहयोग की स्थिति नहीं है। भारत की कृषि से लेकर विवाह जैसे मांगलिक कार्यों में सभी जातियों का सहयोग होता है। इसी प्रकार यज्ञ तथा बड़े धार्मिक आयोजनों में भी सभी को सहभागिता होती है। समय के साथ सभी व्यवस्थाओं में कुरीतियां आती है, लेकिन भारतीय समाज ने उसमे समय के साथ सुधार का कदम भी उठाया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान आज कल काफी चर्चा में है। भागवत ने कहा कि जाति व्यवस्था ब्राह्मणों ने बनाई। इससे ब्राह्मण वर्ग के साथ जातीय समीकरण के लोग अपना ज्ञान बता रहे हैं। असल में किसी अज्ञानता के लिए कोई जिम्मेदार नहीं होता। भागवत भारतीय समाज की अवधारणा और जातीय व्यवस्था के जानकार नहीं है।

संघ प्रमुख होने से वह हिंदुत्व के भी विशेषज्ञ नहीं हैं। भागवत की अल्पज्ञता नाराजगी का विषय नहीं है। कभी कभी बड़े पद पर आसीन व्यक्ति को यह एहसास होता है कि वह सर्वज्ञ है और वह जो कुछ भी कहेगा, वही माना जाएगा। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है कि बड़े पद पर बैठे व्यक्ति की वाणी नियंत्रित और व्यवहार संयमित होना चाहिए। देश में कुछ ऐसे ही लोगों की वाणी से सामाजिक दुर्व्यवहार की घटनाएं होती हैं। बात जातीय व्यवस्था की हो रही है। जातीय व्यवस्था से किसी वर्ग विशेष का नहीं कोई योगदान है और नहीं कोई प्रभाव।

भारतीय समाज में जातीय व्यवस्था से पहले वर्ण व्यवस्था थी। सबसे पुराने ऋग्वेद के पुरु ष सूक्त में वर्ण व्यवस्था का जिक्र आता है। इसमें सृष्टि एवं ब्रह्मांड की तुलना एक महापुरु ष से की गई है। 'ब्राह्मणों असी मुखम आसिद, बाहू राजन्य कृत, उरू तदस्य यद वैश्य, पदाभियाम शुद्रो अजायत।' अर्थात इस महापुरु ष के मुख से ब्राह्मण, बाहों से क्षत्रिय, इसे राजन कहा गया है, उरू यानी की मध्य भाग जिसे पेट भी कहते हैं, से वैश्य और पैर से शुद्र पैदा हुए। वेद में आगे चल कर इसकी विस्तृत व्याख्या हुई है। बहरहाल, ऋग्वेद शुद्र को समाज का सबसे महत्त्वपूर्ण बताता है। पहले तीन वर्ण के क्रियाकलाप एक दायरे में सीमित हैं, लेकिन इन तीनों की देखभाल करने की जिम्मेदारी शुद्र की है। शुद्र की महत्ता को देखते ही पैर पूजने की बात कही गई है। कभी भी मुख, बाह और पेट पूजने का जिक्र नहीं है। विश्व की किसी व्यवस्था में समाज में ऐसा तारतम्य नहीं है।

कई शुद्र समाज के लोग अच्छे शिक्षक के साथ आध्यात्मिक चेतना के पुरोधा रहे तो बहादुर योद्धा और कुशल व्यापारी भी रहे। भारतीय समाज ऐसी विभूतियों से भरा पड़ा है। शंकराचार्य को वैचारिक पवित्रता और ब्रह्म ज्ञान का आलोक एक सफाई कर्मी से मिली थी। राजा मनु मानवीय सभ्यता के पहले शासक यानी की राजा हुए। उस समय शासन के संचालन और सामाजिक व्यवस्था के लिए कोई नियम या कानून नहीं था। राजा मनु ने सामाजिक व्यवस्था को स्थापित करने और राजतंत्र के लिए वैदिक वर्ण व्यवस्था के अनुरूप नियमावली बनाई, जिसे 'मनुस्मृति' कहते हैं। इसमें विभिन्न वगरे के लोगों को उनकी रु चि और दक्षता के अनुसार कर्म करने का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार ऋग्वेद से लेकर मनु स्मृति तक वर्ण व्यवस्था में ब्राह्मण वर्ग का कोई योगदान नहीं है। जातीय व्यवस्था को लेकर ब्राह्मण की आलोचना करने वालो को सही संदर्भ में देखना चाहिए।

आदि काल तक ब्राह्मण वन क्षेत्र में ही कुटीर बना कर रहता और भिक्षा से ही गुरु कुल चलाता था। नैमिष विमर्श के बाद स्थापित जाति व्यवस्था में कालांतर में कई बदलाव होते गए। त्रेता और द्वापर की जातीय व्यवस्था में अंतर दिखता है। इसी प्रकार अब कलयुग में आरक्षण ने पूरे सामाजिक समीकरण को बदल कर रख दिया है। छोटी और पिछड़ी जातियों में नये ब्राह्मण और राजन पैदा हो गए हैं। ये लोग ब्राह्मण को गाली देकर और सामाजिक दुर्व्यवस्था का ठीकरा फोड़ अपने ही समाज का शोषण कर रहे हैं।

संपादकीय

फैसला तो लेना ही होगा

भारत सरकार को 28 हजार करोड़ रुपये का भुगतान रूस को करना है। रूस चाहता है कि भारत या तो दोनों देशों के बीच बन चुके रुपया-रुबल भुगतान सिस्टम के तहत यह भुगतान करे, या फिर वह चीनी मुद्रा युवान या यूएई की मुद्रा दिरहम में ये पैसा दे। नरेंद्र मोदी सरकार के सामने एक कठिन इम्तिहान आया है। रूस से मंगवाए गए हथियारों और लगातार खरीदे जा रहे तेल के बदले भारत किस मुद्रा में भुगतान करे, इससे संबंधित सवाल अब सामने आ खड़ा हुआ है। भारत सरकार को 28 हजार करोड़ रुपये का भुगतान रूस को करना है। लेकिन रूस डॉलर में यह रकम लेने से मना चुका है। वह चाहता है कि भारत या तो दोनों देशों के बीच बन चुके रुपया-रुबल भुगतान सिस्टम के तहत यह भुगतान करे, या फिर वह चीनी मुद्रा युवान या यूएई की मुद्रा दिरहम में ये पैसा दे। रूस के राजदूत ने कहा है कि भारतीय बैंक रुपया-रुबल सिस्टम के तहत भुगतान नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पश्चिमी प्रतिबंधों के दायरे में आ जाने का डर है। राजदूत ने साफ कहा कि इसका असर दोनों देशों के रिश्तों पर पड़ रहा है। लगे हाथ उन्होंने आगाह कर दिया कि रूस अकेला देश है, जो भारत को हथियार के साथ उसकी टेक्नोलॉजी भी देता है। पहले खबर आई थी कि निजी क्षेत्र की रूसी कंपनियां एक सीमा से ज्यादा रुपया स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि उन्हें उसका उपयोग नजर नहीं आता। यानी समस्याएं दोनों तरफ हैं। तो अब एक खबर के मुताबिक भारत सरकार के अंदर युवान या दिरहम में भुगतान पर विचार हुआ है। बताया जाता है कि युवान को लेकर कुछ एतराज हैं, इसलिए संभव है कि भारत आखिरकार दिरहम में भुगतान करे। लेकिन रुपया, दिरहम या युवान में से किसी मुद्रा में भुगतान का मतलब भारत का इस समय दुनिया में डॉलर से मुक्त होने की चल रही प्रक्रिया में शामिल होना होगा। ये बात अमेरिका को नागवार गुजरेगी। अभी हाल में ही भारत ने अमेरिका के साथ अपने रक्षा संबंध को और मजबूत किया है। अब मुश्किल यह है कि भारत के सामरिक और सामरिक-आर्थिक हितों के बीच अंतर्विरोध खड़ा होने लगा है। साफ है, इस बारे में भारत को दो-टूक निर्णय लेना होगा। बंटती दुनिया में दोनों तरफ से लाभ उठाने की रणनीति ज्यादा दिन तक कारगर नहीं रह पाएगी।

दुबई में विदेश नीति का डंका

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

दुबई के इस चार दिन के प्रवास में मेरा कुछ समय तो समारोहों में बीत गया लेकिन शेष समय कुछ खास-खास लोगों से मिलने में बीता। अनेक भारतीयों, अफगानों, पाकिस्तानियों, ईरानियों, नेपालियों, रूसियों और कई अरब शेखों से खुलकर संवाद हुआ। इस संवाद से पहली बात तो मुझे यह पता चली कि दुबई के हमारे प्रवासी भारतीयों में भारत की विदेश नीति का बहुत सम्मान है। हम लोग नरेंद्र मोदी और विदेश नीति की कई बार दिल्ली में कटु आलोचनाएं भी सुनते हैं लेकिन यहां तो उसका असीम सम्मान है। संयुक्त अरब अमारात के टीवी चैनलों और अखबारों का स्वर भी इस राय से काफी मिलता-जुलता है। पड़ौसी देशों के प्रमुख लोगों ने, इधर मैं जो दक्षिण और मध्य एशिया के 16 देशों का जन-दक्षेस नामक नया संगठन खड़ा कर रहा हूँ, उसमें भी पूर्ण सहयोग का इरादा प्रकट किया है। मुझे यह जानकर और भी अच्छा लगा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कुछ प्रमुख लोगों ने भारत द्वारा काबुल को प्रेषित 50 हजार टन अनाज और दवाइयों की पहल की बहुत तारीफ की। उनका सुझाव यह भी था कि इस संकट के वक्त यदि भारत पाकिस्तान की मदद के लिए हाथ बढ़ा दे तो पाकिस्तान की जनता मोदी की मुरीद हो जाएगी। यदि शाहबाज़ शरीफ और फौज मोदी की दरियादिली को नकार दें तो उनकी काफी किरकिरी हो सकती है। इसी प्रकार कई प्रमुख अफगान नेताओं ने मुझसे सुदीर्घ वार्ताओं में कहा कि वे भारत सरकार द्वारा दी गई मदद से तो अभिभूत हैं ही, लेकिन वे ऐसा मानते हैं कि अफगानिस्तान की अस्थिरता को यदि कोई मुल्क खत्म कर सकता है तो सिर्फ भारत ही कर सकता है। अमेरिका और रूस ने अफगानिस्तान में फौजें भेजकर देख लिया, करोड़ों रूबल और डॉलर उन्होंने वहां बहा दिए और बड़े बेआबरू होकर वे वहां से निकले। उनका मानना है कि अकेला भारत अगर पहल करे और अमेरिका के जो बाइडन या कमला हैरिस और ब्रिटेन के ऋषि सुनाक को अपने साथ जोड़ ले तो अफगानिस्तान में शांति और व्यवस्था कायम हो सकती है। इन तीनों राष्ट्रों की संयुक्त पहल को मानने से न तो तालिबान इन्कार कर सकते हैं, न ही पूर्व अफगान राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और न ही पाकिस्तान! यूक्रेन के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने जैसा संतुलित रवैया अपनाया है, उसने विश्व राजनीति में भारत की छवि को चमका दिया है। इसी चमक का इस्तेमाल वह अपने पड़ौस के अंधेरे को दूर करने में क्यों न करे?

पहले अनिल अंबानी, अबकी बार अडाणी, राहुल गांधी के राजनीतिक निशाने पर उद्योगपति ही क्यों रहते हैं?

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अडाणी मुद्दे पर लोकसभा में अपनी आवाज बुलंद की और कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लोगों ने उनसे पूछा कि अडाणी कैसे हर बिजनेस में घुस जाते हैं? राहुल गांधी ने अडाणी पर आरोप तो तमाम लगाये लेकिन शायद वह पूरी तैयारी के साथ नहीं आये थे। राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि गौतम अडाणी कांग्रेस की सरकार के दौरान ही उद्योगपति बने और एक कारोबारी के तौर पर उनको कांग्रेस की सरकारों ने ही आगे बढ़ाया था। गौतम अडाणी का कारोबार मोदी के कार्यकाल में ही बढ़ा है यह बात कहना गलत है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल के दौरान 2011 में गौतम अडाणी ही देश में सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाले उद्योगपति थे। उस समय प्रधानमंत्री पद पर नरेंद्र मोदी नहीं बल्कि कांग्रेस नेता डॉ. मनमोहन सिंह विराजमान थे। 2007 में भी देश में कांग्रेस की ही सरकार थी जब फोर्ब्स ने गौतम अडाणी को 13वें सबसे अमीर भारतीय के तौर पर नामित किया था।

इसके अलावा, गौतम अडाणी को सिर्फ भाजपा शासित राज्यों में ही विभिन्न ठेके मिले हुए हों ऐसा नहीं है बल्कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के अलावा पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार, अन्य क्षेत्रीय दलों की राज्य सरकारों और केरल की वामपंथी सरकार ने भी अडाणी समूह को ठेके दिये हुए हैं। यह ठेके कोई नियमों को ताक पर रख कर नहीं दिये गये बल्कि नियमों का पालन कराते हुए दिये गये हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अडाणी समूह पर हमला करके क्या भारत की आर्थिक प्रगति को बाधित करने का प्रयास किया गया है?

देखा जाये तो यह आरोप कहीं ना कहीं सही लगता भी है क्योंकि महामारी के बाद जब पूरी दुनिया आर्थिक मंदी का सामना कर रही है तब भारत प्रगति कर रहा है। जब पूरी दुनिया की आर्थिक विकास दर घट रही है तो आईएमएफ कह रहा है कि भारत सबसे तीव्र गति से आर्थिक तरक्की कर रहा है और करता रहेगा। जब दुनिया के अमीर देशों के अरबपति, खरबपति टॉप अमीरों की सूची से नीचे खिसकने लगे और विकासशील देश भारत के उद्योगपति गौतम अडाणी उनकी जगह लेने लगे तो कुछ लोगों को तकलीफ होना स्वाभाविक था। सिर्फ अडाणी को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा हो ऐसी बात नहीं है, जब भी गरीबी या अभावों का सामना कर अपने बल पर मुकाम हासिल करने वाला कोई व्यक्ति आगे बढ़ता है तो उसके पैर पीछे खींचे ही जाते हैं। ऋषि सुनक जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद के लिए लोकतांत्रिक तरीके से चुनावी लड़ाई लड़ रहे थे तब उन्हें भी उनके मूल को लेकर कुछ लोगों ने निशाना बनाया था। दरअसल हम मानें या ना मानें इन गोरों ने इस दुनिया को दो भागों में विभाजित कर रखा है और रंग के आधार पर उन्होंने तय कर रखा है कि कौन राज करेगा। इसलिए जब भी भारत का कोई व्यक्ति आगे बढ़ेगा तो उसे पीछे धकेलने के प्रयास किये जायेंगे। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि हमारे यहां वित्तीय मामलों को लेकर अभी उतनी जागरूकता नहीं है, इसी बात का फायदा राजनीतिक दल उठा कर जनता के बीच में भ्रम फैलाते हैं और अपने हित साधते हैं।

जहां तक भारत के बाजारों की बात है तो आपको बता दें कि यह बहुत ज्यादा विनियमित हैं। अडाणी विवाद पर भारतीय रिजर्व बैंक विस्तृत स्पष्टीकरण दे चुका है जिसके मुताबिक देश के बैंकों ने सारे पैमानों को बरकरार रखते हुए विभिन्न कंपनियों को बड़े कर्ज दिए हैं। फिर भी एक विदेशी रिपोर्ट के आधार पर एक भारतीय कंपनी पर जो सवाल उठाये जा रहे हैं और उसके बारे में ऐसी बातें फैलाई जा रही हैं ताकि उसके विदेशी उपक्रमों पर भी असर पड़े, वह ठीक नहीं है। विपक्ष के निशाने पर आज अडाणी हैं कल को कोई और भी हो सकता है। हमें याद रखना चाहिए कि 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी ने अनिल अंबानी पर इसी तरह का हमला बोला था। तब राहुल गांधी बार-बार कहते थे कि मोदीजी ने राफेल सौदे के दौरान सरकारी खजाने से 30 हजार करोड़ रुपए निकाल कर अनिल अंबानी की जेब में डाल दिये। उस नकारात्मक अभियान का असर यह हुआ कि आज अनिल अंबानी एक कारोबारी के तौर पर बर्बाद हो चुके हैं।

यही कारण है कि अब उद्योग जगत से जुड़े लोग एक-एक कर सामने आ रहे हैं और अडाणी समूह के खिलाफ चल रहे नकारात्मक अभियान के विरोध में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी आवाज मुखर कर रहे हैं। इस क्रम में कोटक महिंद्रा बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय कोटक ने कहा है कि उन्हें वित्तीय व्यवस्था के लिए कोई प्रणालीगत जोखिम नहीं दिखता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि भारतीय जोखिम आकलन और क्षमता निर्माण को मजबूत करने का समय अब आ गया है। उन्होंने यह भी कहा है कि बड़े भारतीय कॉरपोरेट घराने ऋण और इक्विटी वित्त के लिए वैश्विक स्रोतों पर अधिक भरोसा करते हैं, जिससे उनके लिए चुनौतियां और कमजोरियां पैदा होती हैं।

वहीं, उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने अडाणी मामले को लेकर चल रहे विवाद के बीच ट्विटर पर एक यूजर के सवाल के जवाब में लिखा- देश के बिजनेस सेक्टर में छाए मौजूदा संकट को लेकर ग्लोबल मीडिया में चर्चा चल रही है कि कहीं ये घटना भारत के वैश्विक इकोनॉमिक फोर्स बनने के लक्ष्य को कमजोर ना कर दे। उन्होंने लिखा कि मैं एक लंबी उम्र जी चुका हूं और अपने देश को भूकंप, सूखा, मंदी, युद्ध और आतंकवादी हमलों से जूझते देखा है। उन्होंने कहा कि मैं बस इतना कह सकता हूं कि 'आपको (ग्लोबल मीडिया) कभी भी भारत को कमतर नहीं आंकना चाहिए। दूसरी ओर, वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने किसी और संदर्भ में भले यह कहा हो कि दुनिया भारत को इतनी तेज गति से तरक्की करते नहीं देख सकती, मगर उनके इस बयान को अडाणी विवाद से ही जोड़ कर देखा जा रहा है। दूसरी ओर, इस मामले में विभिन्न बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्र सरकार के मंत्रियों, आरबीआई आदि के स्पष्टीकरण आ चुके हैं। उसके बावजूद यदि सवाल उठाये जा रहे हैं तो यह दर्शाता है कि कुछ लोग इस सोच के साथ राजनीति कर रहे हैं कि उन्होंने जो कहा वही सही है। आप जरा बैंकों, वित्तीय नियामकों आदि के बयानों पर नजर डालिये फिर सोचिये कि कौन सही है-

सेबी का बयान- अडाणी समूह संबंधी विवाद के बीच सेबी ने कहा है कि वह शेयर बाजार में निष्पक्षता, कुशलता और उसकी मजबूत बुनियाद बनाये रखने के साथ सभी जरूरी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाजार नियामक सेबनी ने कहा कि विशिष्ट शेयरों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। सेबी ने बयान में कहा, 'अपनी जिम्मेदारी के तहत सेबी बाजार के व्यवस्थित और कुशल कामकाज को बनाए रखना चाहता है। किसी खास शेयर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए अच्छी तरह से परिभाषित, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध निगरानी उपाय (एएसएम ढांचे सहित) मौजूद हैं।' बयान के मुताबिक, 'यह व्यवस्था किसी भी शेयर की कीमतों में उतार-चढ़ाव होने पर कुछ शर्तों के तहत अपने आप सक्रिय हो जाती है।' सेबी ने कहा कि सभी विशिष्ट मामलों के संज्ञान में आने के बाद नियामक मौजूदा नीतियों के अनुसार उनकी जांच करता है और उचित कार्रवाई करता है।

शेयर बाजारों की कार्रवाई - इसके अलावा शेयर बाजारों- बीएसई और एनएसई ने अडाणी समूह की तीन कंपनियों- अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अंबुजा सीमेंट्स, को अपने अल्पकालिक अतिरिक्त निगरानी उपाय (एएसएम) के तहत रखा है। इसका मतलब है कि 'इंट्रा-डे ट्रेडिंग' के लिए 100 प्रतिशत अपफ्रंट मार्जिन लागू होगा, ताकि इन शेयरों में सट्टेबाजी और 'शॉर्ट-सेलिंग' को रोका जा सके।

भारतीय रिजर्व बैंक का बयान - संकट में फंसे अडाणी समूह को बैंकों के कर्ज को लेकर चिंता के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि भारत का बैंकिंग क्षेत्र मजबूत और स्थिर है। केंद्रीय बैंक ने साथ ही यह भी कहा कि वह ऋणदाताओं पर लगातार नजर बनाए हुए है। आरबीआई ने बयान में कहा कि एक 'व्यावसायिक समूह' को भारतीय बैंकों के कर्ज के बारे में चिंता जताने वाली मीडिया रिपोर्टों को संज्ञान में लेते हुए वह लगातार बैंकिंग क्षेत्र की निगरानी कर रहा है। हालांकि, आरबीआई ने अडाणी समूह का नाम नहीं लिया। आरबीआई ने कहा कि वर्तमान मूल्यांकन के अनुसार ''बैंकिंग क्षेत्र जुझारू और स्थिर बना हुआ है। पूंजी पर्याप्तता, संपत्ति की गुणवत्ता, नकदी, प्रावधान प्रसार और लाभप्रदता से संबंधित विभिन्न मानदंड अच्छी स्थिति में हैं।'' केंद्रीय बैंक ने कहा, ''नियामक और पर्यवेक्षक के रूप में, आबीआई वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए बैंकिंग क्षेत्र और प्रत्येक बैंक की लगातार निगरानी करता है। आरबीआई के पास बड़े ऋणों से संबंधित सूचनाओं का केंद्रीय संग्रह (सीआरआईएलसी) डेटाबेस प्रणाली है, जहां बैंक अपने पांच करोड़ और इससे अधिक के कर्ज की जानकारी देते हैं। इस जानकारी का इस्तेमाल निगरानी के लिए किया जाता है।'' बयान में कहा गया कि केंद्रीय बैंक सतर्क रहता है और लगातार भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की स्थिरता की निगरानी करता है।

भारतीय समाज : चिंतन से उपजी जातीय व्यवस्था

विजय शंकर पंकज

विश्व की सबसे प्राचीन भारत की सनातन परंपरा ने समाज के सभी वगरे में सहयोग, समन्वय, सामंजस्य और मैत्री भाव स्थापित करने के लिए कालांतर में कई मानक स्थापित किए।

वर्ण व्यवस्था से लेकर जातीय समीकरण इन्ही मापदंडों के तहत है। इनमे किसी वर्ग विशेष का न तो कोई महत्त्व है और नहीं कोई योगदान। वैदिक काल में जिन विद्वानों ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया, वे ब्राह्मण कहलाए। उस समय सबके लिए किसी भी वर्ण में स्थापित होने का मार्ग खुला था।

कालांतर में जब वर्ण व्यवस्था (समाज) सभी वगरे को समायोजित करने में छोटी पड़ने लगी तो तात्कालिक चिंतकों के विचार-विमर्श से जातीय व्यवस्था बनाई गई। जातीय व्यवस्था भारतीय समाज के चिंतन से उपजी है। इसमें ब्रह्मण या किसी अन्य वर्ग का कोई योगदान नहीं है। जो लोग भारतीय समाज की जातीय व्यवस्था की ऊंच, नीच और छोटा, बड़ा की बात कहकर आलोचना करते हैं, वो समाज के समन्वय धरातल को नहीं पहचानते। दुनिया के सभी समाज में जातीय व्यवस्था है। भारत के अलावा दुनिया की किसी व्यवस्था में समन्वय और सहयोग की स्थिति नहीं है। भारत की कृषि से लेकर विवाह जैसे मांगलिक कार्यों में सभी जातियों का सहयोग होता है। इसी प्रकार यज्ञ तथा बड़े धार्मिक आयोजनों में भी सभी को सहभागिता होती है। समय के साथ सभी व्यवस्थाओं में कुरीतियां आती है, लेकिन भारतीय समाज ने उसमे समय के साथ सुधार का कदम भी उठाया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान आज कल काफी चर्चा में है। भागवत ने कहा कि जाति व्यवस्था ब्राह्मणों ने बनाई। इससे ब्राह्मण वर्ग के साथ जातीय समीकरण के लोग अपना ज्ञान बता रहे हैं। असल में किसी अज्ञानता के लिए कोई जिम्मेदार नहीं होता। भागवत भारतीय समाज की अवधारणा और जातीय व्यवस्था के जानकार नहीं है।

संघ प्रमुख होने से वह हिंदुत्व के भी विशेषज्ञ नहीं हैं। भागवत की अल्पज्ञता नाराजगी का विषय नहीं है। कभी कभी बड़े पद पर आसीन व्यक्ति को यह एहसास होता है कि वह सर्वज्ञ है और वह जो कुछ भी कहेगा, वही माना जाएगा। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है कि बड़े पद पर बैठे व्यक्ति की वाणी नियंत्रित और व्यवहार संयमित होना चाहिए। देश में कुछ ऐसे ही लोगों की वाणी से सामाजिक दुर्व्यवहार की घटनाएं होती हैं। बात जातीय व्यवस्था की हो रही है। जातीय व्यवस्था से किसी वर्ग विशेष का नहीं कोई योगदान है और नहीं कोई प्रभाव।

भारतीय समाज में जातीय व्यवस्था से पहले वर्ण व्यवस्था थी। सबसे पुराने ऋग्वेद के पुरु ष सूक्त में वर्ण व्यवस्था का जिक्र आता है। इसमें सृष्टि एवं ब्रह्मांड की तुलना एक महापुरु ष से की गई है। 'ब्राह्मणों असी मुखम आसिद, बाहू राजन्य कृत, उरू तदस्य यद वैश्य, पदाभियाम शुद्रो अजायत।' अर्थात इस महापुरु ष के मुख से ब्राह्मण, बाहों से क्षत्रिय, इसे राजन कहा गया है, उरू यानी की मध्य भाग जिसे पेट भी कहते हैं, से वैश्य और पैर से शुद्र पैदा हुए। वेद में आगे चल कर इसकी विस्तृत व्याख्या हुई है। बहरहाल, ऋग्वेद शुद्र को समाज का सबसे महत्त्वपूर्ण बताता है। पहले तीन वर्ण के क्रियाकलाप एक दायरे में सीमित हैं, लेकिन इन तीनों की देखभाल करने की जिम्मेदारी शुद्र की है। शुद्र की महत्ता को देखते ही पैर पूजने की बात कही गई है। कभी भी मुख, बाह और पेट पूजने का जिक्र नहीं है। विश्व की किसी व्यवस्था में समाज में ऐसा तारतम्य नहीं है।

कई शुद्र समाज के लोग अच्छे शिक्षक के साथ आध्यात्मिक चेतना के पुरोधा रहे तो बहादुर योद्धा और कुशल व्यापारी भी रहे। भारतीय समाज ऐसी विभूतियों से भरा पड़ा है। शंकराचार्य को वैचारिक पवित्रता और ब्रह्म ज्ञान का आलोक एक सफाई कर्मी से मिली थी। राजा मनु मानवीय सभ्यता के पहले शासक यानी की राजा हुए। उस समय शासन के संचालन और सामाजिक व्यवस्था के लिए कोई नियम या कानून नहीं था। राजा मनु ने सामाजिक व्यवस्था को स्थापित करने और राजतंत्र के लिए वैदिक वर्ण व्यवस्था के अनुरूप नियमावली बनाई, जिसे 'मनुस्मृति' कहते हैं। इसमें विभिन्न वगरे के लोगों को उनकी रु चि और दक्षता के अनुसार कर्म करने का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार ऋग्वेद से लेकर मनु स्मृति तक वर्ण व्यवस्था में ब्राह्मण वर्ग का कोई योगदान नहीं है। जातीय व्यवस्था को लेकर ब्राह्मण की आलोचना करने वालो को सही संदर्भ में देखना चाहिए।

आदि काल तक ब्राह्मण वन क्षेत्र में ही कुटीर बना कर रहता और भिक्षा से ही गुरु कुल चलाता था। नैमिष विमर्श के बाद स्थापित जाति व्यवस्था में कालांतर में कई बदलाव होते गए। त्रेता और द्वापर की जातीय व्यवस्था में अंतर दिखता है। इसी प्रकार अब कलयुग में आरक्षण ने पूरे सामाजिक समीकरण को बदल कर रख दिया है। छोटी और पिछड़ी जातियों में नये ब्राह्मण और राजन पैदा हो गए हैं।

ब्रेकिंग न्यूज

छह दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ

दुर्ग। हथखोज पारा उतई वार्ड क्रमांक 14 में क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन नगर के जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में संपन्न हुआ।नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 में छः दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन संपन्न हुआ जिसमें द्वितीय नालंदा क्रिकेट टीम भिलाई एवं प्रथम पुरस्कार क्रिकेट टीम नेवई ने प्राप्त किया प्रथम पुरस्कार के रूप में ?10001 एवं द्वितीय पुरस्कार के रूप में ?5001 क्रिकेट टीमों को दिया गया इस दौरान नगर पंचायत उतई से वार्ड पार्षद प्रहलाद वर्मा पार्षद सतीश चंद्राकर योगेश ठाकुर वरिष्ठ नागरिक गौतम चंद्राकर छन्नूलाल साहू इशांत शर्मा क्रिकेट प्रतियोगिता के संचालक मंडल से राकेश देवांगन चंद्रकांत पटेल राकेश यादव राहुल यशवंत ठाकुर दिनेश साहू लकी यादव समिति के सभी सदस्य एवं वार्ड वासी उपस्थित थे।

छग की भूपेश सरकार के साढ़े चार साल के कार्य बेमिसाल-जितेंद्र साहू

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न गांव गांव में हाथ से हाथ जोड़ो पद यात्रा चलाया जा रहा है।यात्रा प्रभारी पीसीसी महासचिव् जितेंद्र साहू के सयोजन में ग्राम तिरगा, झोला, निकुम, आमटी, मासाभाट, आलबरस, खाडा, रूदा, भोथली, अछोटी में यात्रा पहुँची।श्री साहू ने इस अवसर पर कहा कि छग के काँग्रेस सरकार के साढ़े चार साल की उपलब्धि बेमिसाल है। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपने विधानसभा मे विकास कार्य करवाने के साथ ही आम जनता को पारिवारिक रूप से जोड़ने का काम किया हैं। जिसका लाभ निश्चित रूप से कॉंग्रेस को मिलेगा।इस अभियान के तहत गांव गांव के घर घर मे जाकर हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत ग्रामीणो की समस्या सुनकर त्वरित ढंग से उसका समाधान भी किया जा रहा है।इस महाअभियान में छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव जितेंद्र साहू, नंद कुमार सेन अध्यक्ष केश शिल्प बोर्ड छग शासन, जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनी रिवेंद्र यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, जिला अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण दिवाकर गायकवाड़, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग झमित गायकवाड, जिला सदस्य एवं सभापति योगिता चंद्राकर, जनपद सदस्य रूपेश देशमुख, तारकेश्वर चंद्राकर, प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन, अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति कुथरेल शिवनारायण दिल्लीवार, भरत चंद्राकर, धरमदास साहू, पुरूषोत्तम चौधरी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष डॉ. जेडी चेलक शामिल हुए।

प्रतिष्ठा महोत्सव में बनी सिधांचल पर्वत की झांकी

दुर्ग। जीव दया ग्रुप के सदस्यों के द्वारा आदिनाथ भगवान की झाँकी बनायीं गयी है जिसका नाम दिया गया च्यसिधांचल के राजाज्जिसे बनाने में 4-5 दिन का समय लगा है, ग्रुप के सभी सदस्यों और समिति की मदद से बनाया गया झांकी की रूपरेखा और डिज़ाइन राहुल कोचर ने किया है। बाहर से पधारे सभी अतिथिगन एवम् सभी सदस्यों ने झाँकी की सुंदरता और इस आदिनाथ भगवान के धाम बहुत क़रीब से देखा है और देखकर मंत्रमुक्ध हो गये। साथ ही गायों को रोटी खिलाने से लेकर चिड़ियों के लिए भी दाना-पानी का भी इंतज़ाम करते है। ग्रुप के युवाओं का कहना है कि छोटी-छोटी मदद के ज़रिये वे सभी जीव दया का कार्य करते है।

झाँकी की विशेषता

आदिनाथ भगवान के कल्पवृक्ष के नीचे ध्यान और कई तरह के सिंह, पशु आदि जो भगवान के दर्शन को पहुंच जाते। भगवान ऋषभनाथ का जन्म भारत के पावन शहर अयोध्या की भूमि पर हुआ था। वही अयोध्या भूमि जहां मर्यादापुरुषोत्तम भगवान राम ने माता कौशल्या के गर्भ से जन्म लिया था। आदिनाथ का जन्म चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को उत्तरषाढ़ा नक्षत्र में हुआ था। जैन धर्म के अनुसार यह तृतीय काल था। इनका जन्म इश्वाकु वंश में हुआ था। जैन धर्म की मान्यता के अनुसार किसी भी तीर्थंकर का जन्म उसकी माता को शुभ स्वप्न आने से होता है। इसी कारण आदिनाथ जी की माता को भी उनके जन्म से पहले 14 शुभ स्वप्न आये थे और उसके पश्चात ही उनका जन्म हुआ था। 7 श्वेताम्बर मूर्तिपजक संघ एवम सुव्हित प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के सभी कार्यक्रम अमर हाइट्स गंजपारा में है। आशीष बोहरा, मतिश चोपड़ा, मिहिर कोचर, मयंक बोथरा, अमित बाफना, गगन जैन, योगेश कोचर, अभय बोहरा अर्पित लोढ़ा एवम् सभी सदस्य मौजूद रहे।

खाद्य कारोबारी 31 मार्च तक रिपोर्ट अपलोड करें

दुर्ग। जिले के ऐसे समस्त खाद्य कारोबारकर्ता जो खाद्य निर्माण, रिपैकिंग एवं रिलेबलिंग का कार्य करतें है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम 2011 एवं विनियम 2011 के शर्ते अनुसार अपने फर्म द्वारा निर्माण रिपैकिंग एवं रिलेबलिंग किये गये खाद्य उत्पाद का एनएबीएल प्रत्यायित प्रयोगशाला से जांच कराकर जांच रिपोर्ट फोस्कोस (फूड सेफ्टी कंप्लायंस सिस्टम) लागिन से अपलोड करना सुनिश्चित करें जिसकी अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित की गयी है। वार्षिक रिपोर्ट (एनुअल रिटर्न) भी अपलोड करना सुनिश्चित करें जिसकी अंतिम तिथि 31 मई प्रति वर्ष निर्धारित की गयी है।

मेहनत के 40 हजार लगाए किसान विकास पत्र में निकालने के लिए लगाने पड़ रहे पोस्ट आफिस के चक्कर, जनदर्शन पहुंचा फरियादी

सिंगल मीटर के सहारे मधुरिशा हाइट्स फेस 3 के 56 परिवार, एसोसिएशन के सदस्य पहुंचे जनदर्शन

दुर्ग। मधुरिशा हाइट्स फेस 3 के रेसिडेंशियल एसोसिएशन प्रगति नगर के पदाधिकारी आज कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे। उन्होंने बताया कि 3 ब्लाक के घरों में रह रहे 56 परिवारों को उच्च दर में बिजली बिल का भुगतान करना पड़ रहा है। एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था कि वहां के निवासीगणों को बिजली के स्थाई कनेक्शन से संबंधित समस्या आ रही है। 03 ब्लाक के अर्पाटमेंट में रहने वाले 56 परिवार को बिल्डर की लापरवाही के चलते व्यक्तिगत बिजली कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि बिल्डर द्वारा कुछ लोगों के फाइनल रजिस्ट्री के कागजात उपलब्ध नहीं कराया गया है और बिजली के उपलब्धता के लिए पूर्व के बचे बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया गया है इसके चलते यह समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके लिए पूर्व में जिला प्रशासन को अवगत कराया गया था जिसमें उसके द्वारा सकारात्मक कदम उठाए गए थे, जिसके तहत् तहसीलदार कार्यालय से प्रपत्र जारी किया गया था। जिसे मधुरिशा हाईट्स के निवासीगण द्वारा सीएसईबी के समक्ष आवेदन के साथ प्रस्तुत किया गया था। आवेदन तो स्वीकार किया गया परंतु कार्य की प्रगति की दिशा में कार्यवाही धीमी गति से चल रही है। व्यक्तिगत स्थाई कनेक्शन नहीं दिए जाने से वहां के निवासियों को 09 रूपए प्रति यूनिट की दर से बिजली बिल का भुगतान करना पड़ रहा है। क्योंकि एक ही मीटर से 56 घरों में बिजली उपलब्ध हो रही है इसलिए

मीटर में यूनिट खपत ज्यादा प्रदर्शित होती है। जिसे वहां के निवासी सब मीटर लगाकर अपने यूनिट उपयोग अनुरूप बिल का भुगतान करते हैं। इसलिए प्रति घर इन निवासियों को अधिक बिल प्रदाय करना पड़ रहा है। वेलफ्यर एसोसिएशन के सदस्यगणों का निवेदन था कि मधुरिशा हाईट्स फेस 03 को प्राथमिकता देते हुए इस समस्या का निदान किया जाए और बिल्डर को मूलभूत आवश्यकताओं के मेंटनेंस के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाए। कलेक्टर ने मामले का संज्ञान लेते हुए सीएसईबी के संबंधित अधिकारी को आवेदन प्रेषित किया।

किसान विकास पत्र को भुनाने में असमर्थ आवेदक भी जनदर्शन पहुंचा था। जिसके कथनानुसार 10 सितंबर 2010 को निवेश के दृष्टिकोण से उसने 40 हजार की राशि का किसान विकास पत्र खरीदा था। किसान विकास पत्र की तय अवधि समाप्त हो जाने पर आवेदक राशि को भुनाना चाहता था।

आवेदक से त्रुटिवश किसान विकास पत्र की ओरिजनल कॉपी गुम जाने के कारण इसकी सूचना उसने पोस्ट आफिस में दी और अग्रिम आवेदन किस प्रकार प्रस्तुत करें इस संबंध में जानकारी मांगी। शुरूवात में पोस्ट आफिस द्वारा उन्हें एफआई.आर. दर्ज कराने के लिए कहा गया। क्रमवार उन्हें जो-जो दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया उसे उसके द्वारा प्रस्तुत किया गया। चाहे बांड हो या अन्य वांछित दस्तावेज परंतु उनके प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में पोस्ट आफिस लगातार त्रुटियां निकालकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। पोस्ट आफिस के द्वारा उन्हें स्पष्ट जानकारियां मुहैय्या नहीं कराई जा रही है। जिससे वह अपने हक के पैसे से वंचित है, इसलिए कलेक्टर से उनका निवेदन था कि उनकी मेहनत की राशि उन्हें मुख्य पोस्ट आफिस दुर्ग से उन्हें प्रदान कराई जाए। कलेक्टर ने पोस्ट आफिस दुर्ग के संबंधित अधिकारी को आवेदन प्रेषित किया। आज जनदर्शन में 138 आवेदन प्राप्त हुए।

---

18 करोड़ युवा मोदी सरकार से रोजगार पाने कर रहे इंतजार: राजेन्द्र साहू

■ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र साहू ने किया पलटवार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार को आराम और भाजपा को काम देने के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र साहू ने कड़ा प्रहार किया है। राजेंद्र ने कहा कि नड्डा का यह बयान बेहद हास्यास्पद है। हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा भूल चुके भाजपा नेताओं को ऐसी झूठी बयानबाजी करना शोभा नहीं देता । नड्डा पहले यह बताएं कि साढ़े 8 साल के कार्यकाल में मोदी सरकार ने देश के 18 करोड़ युवाओं को रोजगार क्यों नहीं दिया। देश के करोड़ों युवा आज भी नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। वादे के मुताबिक मोदी सरकार ने किसानों के लिए ऐसी योजना क्यों नहीं बनाई, जिससे उनकी आय दोगुनी होती। आज भी किसान मोदी सरकार की योजना का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उनकी आमदनी दोगुना हो सके।

राजेंद्र ने नड्डा के बयान पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की

जनता ने 15 साल तक भाजपा की रमन सरकार को काम दिया, लेकिन उस दौरान किसान आत्महत्या के लिए मजबूर होते रहे। किसानों को न बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य मिला, न वादे के मुताबिक बोनस दिया गया। यहां के युवा रोजगार के लिए तरसते रहे। आदिवासियों की जमीन उद्योगपतियों को दे दी गई। 15 साल के कार्यकाल में रमन सरकार द्वारा की गई लूट को प्रदेश की जनता ने देखा है। राजेंद्र ने कहा कि नड्डा आरक्षण को लेकर कोई बयान क्यों नहीं दे रहे। राज्यपाल ने पहले कहा था कि दो मिनट के भीतर आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर कर देंगी, लेकिन उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किया। बाद में उन्होंने कहा कि मार्च में हस्ताक्षर कर देंगी, लेकिन मार्च से पहले ही उनको हटा दिया गया। अगर अनसुईया उइके मार्च तक राज्यपाल रहती, तो शायद वे वादे के मुताबिक मार्च में आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर कर देती। लेकिन, शुरू से आदिवासी विरोधी रहे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें हटा दिया।राजेंद्र ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की डबल इंजन सरकार है, उन राज्यों की जनता का बुरा हाल है। उन राज्यों में किसानों की हालत बदतर है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की तारीफ करने वाले नड्डा को यह भी बताना चाहिए कि केंद्र की मोदी सरकार के राज में किसानों की आय घटी है। महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, अनाज, खाद्य पदार्थ, रासायनिक खाद सहित सभी वस्तुओं की कीमत बढ़ने से आम जनता त्रस्त हो चुकी है। नड्डा आखिर किस मुंह से कह रहे हैं कि मोदी सरकार अच्छा काम कर रही है। भूपेश सरकार ने प्रदेश के युवक-युवतियों, महिलाओं और पुरुषों को भरपूर रोजगार दिया है। पूरे देश में बेरोजगारी दर 8.7 प्रतिशत है, जबकि छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर सिर्फ 0.4 प्रतिशत है। मोदी सरकार देश के 18 करोड़ युवाओं को रोजगार देने की फिक्र करे। छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार मिल रहा है। किसान खुशहाल हैं।

विशाल देशमुख अन्य पिछडा वर्ग सलाहकार परिषद सदस्य मनोनीत

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में अन्य पिछडा वर्ग सलाहकार परिषद का गठन किया गया है जिसमें दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के उपाध्यक्ष विशाल देशमुख को सदस्य मनोनीत किया गया है। देशमुख ने सदस्य मनोनीत किए जाने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त किया है एवं पिछड़ा वर्ग समाज को संगठित करने तथा समाज की उन्नति के लिए कार्य करने की बात कही है। देशमुख को सदस्य मनोनीत करने पर अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा, सभापति राजेश यादव, लक्ष्मण चंद्राकर, पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर, केश शिल्प बोर्ड के अध्यक्ष नंद कुमार सेन, एल्डरमैन गोलू गुप्ता, शहर जिला कांग्रेश कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष गया पटेल, महापौर निर्मल कोसरे, मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, दीपक साहू, प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष क्षितिज चंद्राकर एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र साहू ने बधाई दी है। उक्त नियुक्ति पर दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राजेन्द्र हरमुख, उपाध्यक्ष यशवंत दिल्लीवार, अशोक कुमार देशमुख, मिलाप देशमुख आदि ने बधाई दी है।

बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 462 बकायेदारों के कनेक्शन कटे

■ मॉस डिसकनेक्शन : 375 बकायेदारों से वसूले 44 लाख 52 हजार रुपए

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र में बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले बकायेदार उपभोक्ताओं के लिए व्यापक स्तर पर बकाया वसूली अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में दुर्ग वृत्त के अंतर्गत पिछले सप्ताह में तीन बार एकदिवसीय मॉस डिसकनेक्शन अभियान चलाकर 375 बकायेदार उपभोक्ताओं से 44 लाख 52 हजार रुपए की वसूली की गई। समझाइश के बाद भी बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 462 बकायेदारों की बिजली लाईन काट दी गई है।

उल्लेखनीय है कि दुर्ग वृत्त के अंतर्गत विद्युत संभाग बालोद में दिनांक 03 फरवरी 2023 को मॉस डिस्कनेक्शन अभियान चलाकर 49 बकायेदार उपभोक्ताओं से 01 लाख 85 हजार रुपए की बकाया वसूली की गई एवं समझाइश के बाद भी बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 16 बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काट दिए गए। दिनांक 06 फरवरी 2023 को दुर्ग एवं भिलाई संभाग में चलाए गए मॉस डिस्कनेक्शन अभियान में बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 119 बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काट दिए गए एवं 174 बकायेदारों से 25 लाख 41 हजार रुपए की वसूली की गई। इसी कड़ी में दिनांक 08 फरवरी 2023 को विद्युत संभाग बेमेतरा एवं साजा में बकाया वसूली अभियान चलाया गया, जिसमें 152 बकायेदारों से 17 लाख 26 हजार रुपए की वसूली की गई एवं 327 बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काट दिए गए। अधीक्षण अभियंता सलिल कुमार खरे ने बताया कि विद्युत कंपनी द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं पर की जा रही कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। खरे ने बताया कि बिजली बिल देयको के भुगतान में विलंब होने पर उपभोक्ताओं को बार-बार ध्यान आकृश्ट कराया जा रहा है, जिससे वे देयक समय पर जमा कर देवें। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता एम.जामुलकर ने बताया कि मैदानी अधिकारी एवं उनकी टीम बकायेदार उपभोक्ताओं के पास स्वयं पहुंचकर उनसे बिजली बिल जमा करने का अनुरोध कर रहे हैं, इसके बावजूद बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले बकायेदारों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं।

बार एवं रॉड मिल ने लगातार दो दिनों तक बनाया दैनिक उत्पादन का नया कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल ने 11 फरवरी 2023 को 16 एमएम टीएमटी बार में 3512 टन का उत्पादन कर किसी भी सेक्शन के रोलिंग में नया दैनिक कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके पूर्व यह कीर्तिमान विगत 26 जनवरी 2023 को 16 एमएम टीएमटी बार में 3481 टन का रोलिंग कर बनाया गया था। इसके साथ ही दूसरे दिन भी बीआरएम ने अपने पिछले 11 फरवरी 2023 को स्थापित 16 एमएम टीएमटी बार में 3512 टन रोलिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 12 फरवरी 2023 को 16 एमएम टीएमटी बार में 3692 टन का उत्पादन कर किसी भी सेक्शन के रोलिंग में पुन: नया दैनिक कीर्तिमान स्थापित किया है। विदित हो कि मुख्य महाप्रबंधक मुकेश गुप्ता के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में टीम बीआरएम ने अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का दैनिक कीर्तिमान स्थापित किया। इसके साथ ही भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता एवं कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने बीआरएम बिरादरी सहित उनके सहयोगी विभागों को बधाई दी।

पुलिस ने पकड़ा नशीली दवाओं का रैकेट, कुरियर से मंगाकर शहर में खपा रहे थे नशे का सामान

भिलाई। नशीली दवाओं से शहर के युवाओं को नशे के जाल में फंसाने वाले बदमाशों को भिलाई नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन बदमाशों से भारी मात्रा में नशे का सामान जिसमें कैप्शूल से लेकर अन्य सामान जब्त किया गया। तीनों बदमाशों के पास से पुलिस ने जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ धारा 22 नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। खास बात यह है कि तीनों शातिर नशे की दवाइयां कुरियर कंपनी से मंगाते थे। दुर्ग पुलिस काफी समय से नशे का अवैध व्यापार करने वालों पर नजर रखे हुई थी। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने इस संबंध में एक कार व मोटरसाइकिल भी सभी थाना प्रभारियों को विशेष दिशा निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में विशेष सूत्रों से पुलिस को पता चाला कि सेक्टर 7 निवासी मोनू सरदार उर्फ विजय गिल नशीली दवाओं का व्यापार करता है और भारी मात्रा में नशीली दवा युवाओं के बीच खपा रहा है। इसके बाद पुलिस ने मोनू सरदार को रंगे हाथों पकड़ने का प्लान बनाया। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-7 भिलाई ओव्हर ब्रिज के गार्डन के पास एक कार एवं बुलेट मोटर सायकल में कुछ लड़के नशीली दवाइयां बेचने ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलने पर भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची और कार में बैठे तीन लड़कों को हिरासत में लिया तो यहां वहीं मोनू सरदार मिला जो नशे का कारोबार करता है।

अखिल भारतीय इस्पात चिकित्सा अधिकारी सम्मेलन 2023 का भव्य समापन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता हुए पुरस्कृत

■ रोचक एवं ज्ञानवर्धक मेडिकल क्विज ने मचाया धूम

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र के तत्वाधान में अखिल भारतीय इस्पात चिकित्सा अधिकारी सम्मेलन 2023 का भव्य आयोजन किया गया। इसके अंतिम दिन सत्र की शुरुआत डॉ सी नरसिम्हन (इलेक्ट्रो फिजियोलॉजी के प्रमुख और एसई सलाहकार कार्डियोलॉजी, एआईजी अस्पताल, हैदराबाद) द्वारा 21 वीं सदी में एक चिकित्सक के लिए चुनौतियां पर अतिथि व्याख्यान के साथ हुई। इसके पष्चात क्विज मास्टर एवं षिपिंग

कॉरपोरेषन के पूर्व निदेषक (कार्मिक) एस पी एस जग्गी तथा महाप्रबंधक (संपर्क प्रषासन एवं जनसंपर्क) जैकब कुरियन द्वारा बेहद रोचक व ज्ञानवर्धक मेडिकल क्विज का आयोजन किया गया। रोचक एवं ज्ञानवर्धक मेडिकल क्विज ने डॉक्टरों की खूब तालियां बटोरी। क्विज के पष्चात विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की गई। पुरस्कार वितरण के लिए मंच पर सभी इस्पात संयंत्रों के चिकित्सा विभाग के सभी प्रमुख डॉ एम रवींद्रनाथ (सीएमओ प्रभारी, भिलाई स्टील प्लांट), डॉ प्रमोद बिनायके (सीएमओ, भिलाई स्टील प्लांट), डॉ सुधीर राय (जीएम, टाटा स्टील), डॉ नवीन कुमार (जीएम, वीएसपी), डॉ बी के होता (ईडी, आरएसपी), डॉ बी बी करुणामय (सीएमओ, बोकारो), एमवाई सुरेश (सीएमओ, भद्रावती) और डॉ मिनाती पाल (एसीएमओ, दुर्गापुर) उपस्थित थे।

विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं में शामिल हैं -एमबीबीएस पेपर में डॉ पी जे रॉय, डॉ दीप्ति सोय, डॉ सुदेशना दासगुप्ता तथा लॉन्ग पेपर में डॉ प्राची मेने, डॉ एस के तिवारी, डॉ बिस्वरूप मुखर्जी ने विजेता का खिताब जीता। इसी प्रकार टीक्यूएम पेपर में डॉ आकांक्षा शर्मा, डॉ भूपेंद्र कुमार गुप्ता, डॉ जितेंद्र पाण्डेय तथा लघु पेपर प्रस्तुतिकरण में डॉ राजेश ठाकुर, डॉ अमित कुमार, डॉ सुभस्मिता पटनायक विजेता रहे। इसी क्रम में ओएचएस पेपर में डॉ तापस मंडल, डॉ बी शशिधर, डॉ पंकज कुमार तथा एमबीबीएस पोस्टर में डॉ सिरिकी धीरज, डॉ आभा सिंह, डॉ सौजन्या एन को पुरस्कृत किया गया।

पीजी पोस्टर में डॉ कर्नल एस एस चैहान, डॉ पुष्पा कुमारी, डॉ ए शांति प्रिया ने पुरस्कार पर कब्जा जमाया। क्विज में प्रथम पुरस्कार आरएसपी की डॉ प्रज्ञा ज्योति रॉय व डॉ नीलकंठ साहू, द्वितीय पुरस्कार बीएसपी की डॉ षिवा मार्था व डॉ सुमीत उपाध्याय तथा तृतीय पुरस्कार टाटा की डॉ आभा सिंह व डॉ सिद्धांत वर्मा ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ पुरुष वक्ता का पुरस्कार डॉ देब संजय नाग तथा सर्वश्रेष्ठ महिला वक्ता का पुरस्कार डॉ आकांक्षा शर्मा और सर्वश्रेष्ठ टीम पुरस्कार टाटा स्टील प्लांट को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सचिव आयोजन समिति डॉ सुबोध साहा ने कार्यक्रम के सुचारू रूप से संपन्न होने पर संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता सहित आयोजन समिति के प्रमुख व सीएमओ इंचार्ज डॉ एम रविंद्रनाथ, समिति अध्यक्ष व सीएमओ डॉ प्रमोद बिनायके एवं समस्त समिति पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने समस्त प्रतिभागियों और सभी इस्पात संयंत्रों के प्रभारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही अगला एआईएमओसी टाटा स्टील प्लांट को आयोजित करने के लिए शुभकामनाएँ दी।

ब्रेकिंग न्यूज

पांच दिवसीय रूद्रचण्डी पाठात्मक महायज्ञ 14 से 18 तक

राजिम। ब्रम्हलीन स्वामी अमृतानंद सरस्वती (संत कवि पवन दीवान जी) के पुण्यतिथि के अवसर पर विश्व कल्याण एवं धर्म संस्कृति जागरण हेतु 14 से 18 फरवरी 2023 तक ब्रम्हचर्य आश्रम सोनतीर्थ घाट राजिम में पांच दिवसीय रूद्रचण्डी पाठात्मक महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम अनुसार 14 फरवरी मंगलवार को सुबह 6.30 से 7.30 तक गुरूपादुका पूजन दोपहर 1 बजे से भोजन प्रसादी भण्डारा रखा गया है। 14 फरवरी से 18 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह 6.30 से 7.30 तक पंचांग पूजन, वेदी पूजन, चण्डी पाठ एवं 11000 पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया जाएगा। प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से महारूद्राभिषेक होगा। 18 फरवरी को सुबह 7.30 बजे से दोपहर 13.30 तक पंचांग पूजन, वेदी पूजन, चंण्डी पाठाएवं 11000 पार्थिव शिवलिंग निर्माण दोपहर 3 बजे से महारूद्राभिषेक पूर्णाहुति होगा। यह आयोजन स्वामी अमृतानंद सरस्वती (पवन दीवान) स्मृति छग ब्रम्हचर्य आश्रम न्यास समित राजिम द्वारा आयोजित किया गया है।

महानदी आरती में दिखा अलौकिक दृश्य

राजिम। माघ पूर्णिमा से शुरू मेले में महानदी आरती का दृश्य दिनों दिन दिव्यता को प्राप्त कर रहें है। संगम तट पर यह अलौकिक नजारा प्रतिदिन शाम 7 बजे स्वत: पहुंचकर देखी जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि सांढूर, पैरी और महानदी मैय्या की आरती की भव्यता विराट रूप ले रहीं है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इस बार शानदार व्यवस्था की गई है। मण्डप बनाया गया हैं शिवलिंग की स्थापना की गई है तथा तीनों नदी मैय्या की आरती उतारने के लिए धमतरी जिला के मजिस्ट्रेट, राजिम सोसायटी अध्यक्ष विकास तिवारी सहित अनेक श्रध्दालुओं ने सम्मिलित होकर आरती उतारी।

राजिम मेला के सांस्कृतिक मंच में लोक धुन की बिखरी रंग

राजिम। सोमवार को सांस्कृतिक मंच क्रमांक 2 पर लोक धुनों की रंग उड़ती रही। एक से बढ़कर एक गीत संगीत ने दर्शकों को बांधे रखा। तुलाराम साहू के राजीवलोचन भजन संध्या ग्रुप ने हर-हर महादेव... राजिम धाम की महिमा पर शानदार प्रस्तुति दी। दीपक वास एवं लालिमा पटेल, रामकुमार देवांगन के आवाज में गीत संगीत का जादू प्रकट हुआ। लोग ताली बजाकर उत्साहवर्धन करते रहे। एंकरिंग संतोष सोनकर ने किया। बरभांठा महासमुंद शिव सूरदास के लोक रागनी मानस परिवार ने रामायण की प्रस्तुति पर राम की महिमा का बखान किया। पोखरा के संतोष साहू ने लोक नृत्य की जोरदार प्रस्तुति दी। स्कूली छात्रों ने अलग-अलग वेशभूषा में नृत्य कर झूमने के लिए मजबूर कर दिया। रजनकटा पांडुका के राकेश साहू की फाग मंडली ने छोटे से श्याम कन्हैया गीत पर होली त्यौहार की याद दिला दी। चिरको महासमुंद लखन सिंह ध्रव ने पंडवानी प्रस्तुत किया। सेंदर के तुलेश्वर धृतलहरे ने सतनाम चौंका मंगल भजन की बेहतरीन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन किशोर निर्मलकर ने किया।

पटवारी चयन परीक्षा : 20 को मूल दस्तावेजों का करा सकते है सत्यापन

रायगढ। पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा 2022 के संबंध में मेरिट सूची के आधार पर कुल 30 पदों के लिए पूर्व में चयन समिति द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग में भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के 1 पद हेतु बुलाये गये अभ्यर्थियों में से उपस्थित/ पात्र नहीं होने के कारण उस श्रेणी के अन्य अभ्यर्थियों को आमंत्रित करने की अनुशंसा की गई है। अतएव वरियता क्रम अनुसार अनुसूचित जनजाति वर्ग के भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के अन्य 5 अभ्यर्थियों को आहूत किया जाता है कि वे जिला कार्यालय रायगढ़ के सभाकक्ष में 20 फरवरी 2022 को पूर्वान्ह 11 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन करा सकते है। अनुपस्थिति की दशा में पटवारी प्रशिक्षण हेतु आपके चयन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। संबंधित अभ्यर्थी कार्यालय कलेक्टर रायगढ़ के सूचना पटल/वेबसाईट https://raigarh.gàæv.in पर सूची का अवलोकन कर सकते है।

राजिम मेला घूमने पहुंच रही लोगों की भीड़

राजिम। माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि 14 दिनों तक चलने वाले प्रदेश का ऐतिहासिक धार्मिक और सांस्कृतिक मेले में आकर दर्शनार्थी अभिभूत हो रहे है। इस मेले में दूरदराज से आये दर्शनार्थियों से जब राजिम में आयोजित इस मेले के संदर्भ में उनकी राय जानना चाही तो उन्होंने बहुत ही प्रसन्नता के साथ अपने अनुभव साझा किये। ग्राम परसट्टी से सपत्निक पहुंचे युवराज साहू ने बताया कि वे प्रतिवर्ष राजिम मेंले में आयोजित पुण्य स्नान के लिए आते है और हर बार उन्हें नया अनुभव की अनुभूति होती है। इस बार राजिम के मुख्य मंच के पास भगवान राम की विशालकाय मूर्ति को देखकर मन अभिभूत हो गए। इसी प्रकार भिलाई से पहुंचे रवि प्रकाश एवं बिलासपुर कोटा से आए अनिल कुमार ने अपना अनुभव बांटते हुए बताया कि इस बार राजिम मेला में आकर काफी प्रसन्नता हो रही है।

फैक्टियों से लगातार फैल रहा प्रदूषण, ग्रामीण परेशान

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट

सिमगा। सिमगा क्षेत्र की दूलदुला, हरिनभट्ठा से बैकोनी रोड और चंदेरी से बछेरा रोड पर बनी कई फैक्ट्रियां जमकर प्रदूषण फैला रही हैं। इनसे निकलने वाला विषैला धुआं लोगों को खासा परेशान किए हुए है। आसपास के गांवों में किसानों के लिए खेतों में काम करना कठिन होता जा रहा है।

दुलदुला से हरिनभट्ठा और चंदेरी से बछेरा मार्ग पर सिमगा क्षेत्र में कई फैक्ट्रियां हैं, जिनमें कोयला, भूसा को जलाकर धुवा निकाला जाता है। इस प्रक्रिया में न सिर्फ विषैला धुआं निकलता है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में दूर तक बदबू भी फैलती है। इनसे निकलने वाले विषैले धुएं के कारण आसपास खेतों में काम करने वाले किसानों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हरिनभट्ठा, दुलदुला, बछेरा गांव के किसान जीनेंद्र भारती, अर्जुन व टेकराम आदि ने बताया कि इन फैक्ट्री से निकलने वाली कालिख उनकी फ़सलों पर जम जाती है, जिसे खाने से पशु बीमार हो रहे हैं। जब भी फैक्ट्री चलती है तो उसके पास बदबू के कारण खडा होना तक दूभर होता है, जिससे खेतों में काम करना कठिन होता जा रहा है। हमारे खेतों पर लगे कई ट्यूबवेल से पानी भी काला और प्रदूषित आने लगा है। उन्होंने बताया कि इसकी कई बार शिकायत भी की जा चुकी है, लेकिन राजनितिक दबाव के कारण कोई कार्रवाई नहीं होती है।

साथ ही बताया कि अभी कुछ महीने एम एम फैक्ट्री बैकोनी में गेट में दबने से एक गार्ड का मौत हो गया है, परंतु प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। बछेरा गांव की द्वारिका जोशी ने बताया कि मैंने

आसपास की फैक्ट्रियों के प्रदूषण फैलाने की शिकायत कई बार अधिकारियों से की, लेकिन उन पर कार्यवाही नहीं हुई है। उन्होंने तुरंत ही इन फैक्ट्रियों की जांच करने की मांग की है।

जीतेन्द्र बंजारे का कहना है की हरिनभट्ठा गांव जाने वाली मार्ग दुलदुला अर्थ स्टील और हरिनभट्ठा फैक्ट्री के चलते पुरे तरह खराब हो गया है, दोनों गांव के पढ़ने लिखने आने वाले बच्चों को बहुत परेशानी का सामना करना पढ़ता है, बड़ी बड़ी ट्रक रोड में चलते रहते है स्कूली बच्चों को सायकल चलने में डरते रहते है, और कई बार फैक्ट्री में जाने वाली गाड़ियों का हादसे का शिकार हो चुका है प्रशासन पूरी तरह मौन है, गांव वालों का लगातार मांग है कि पीडब्ल्यूडी का जो रोड है बना हुआ है उसमें कुछ सुधार किया जाए फैक्ट्री के मालिकों के द्वारा,क्युकी फैक्ट्रियों में बड़ी से बड़ी ओवरलोड गाड़ी की रोजाना आना जाना लगा रहता है जनपद सभापति गंगा ओगरे ने बताया की इस न्यूज़ के माध्यम से कि दुलदुला हरिन भट्ठा जाने वाली जो मार्ग बनी हुई है वह फैक्ट्री मालिकों के द्वारा बनाना चाहिए,अगर रोड में कोई प्रकार की मरम्मत नहीं करवाया जाएंगे तो गांव वालों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा अगले महीने,ग्राम हरिनभट्ठा में जो नीरज पावर प्लांट स्थापित है वह फैक्ट्री में किसी भी प्रकार का मजदूर एवं स्टाफ के लिए कोई भीं प्रकार का सेफ्टी उपयोग नहीं किया, बिना हेलमेट जूता का मजदूरी, और प्लांट में काम करने वाले मजदूरों को कोई भी प्रकार का आईडी पुरुप उपलब्ध नही करवाया है शासन प्रशासन को ज्ञापन देकर प्रगतिशील सतनामी समाज, और सर्वदलीय मंच के द्वारा नीरज पावर प्लांट में अलगे महीने उग्र आंदोलन किया जाएगा

बंद रहते हैं कई उप स्वास्थ्य केन्द्र गांव नहीं पहुंचते स्वास्थ्य कर्मचारी

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट

सिमगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उपस्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किए हैं। इनका संचालन ठीक से नहीं हो पा रहा है। कई स्थानों पर तो उपस्वास्थ्य केन्द्र बंद पड़े हैं और भवन खण्डर बन गए हैं। ऐसे में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओ और शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जनप्रतिनिधिओ का कहना है कि विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की योजना तो बना ली लेकिन उनके संचालन की व्यवस्थाएं नहीं हो पाई। ऐसे में शासन की मनसा पूरी नहीं हो पा रही है।

सिमगा क्षेत्र में ज्यादातर स्थानों पर एएनएम और एमपीडब्ल्यु पहुंचते ही नहीं हैं। लेकिन आज तक इसका सही ढंग से संचालन नहीं हो पाया है। यहां हमेशा ही जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मी की कमी रही है। हांलाकि इसकी देखरेख के लिए वार्डबॉय की नियुक्ति की गई है लेकिन प्र्याप्त स्टॉफ न होने से ग्रामीणों को स्वास्थ्य विभाग की

सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मौखिक शिकायत के बाद भी पूरी साल इन पर व्यवस्थाओं के नाम खर्च किया जा रहा है। जबकि वास्तिविक स्थिति यह है कि न तो यहां स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध रहते हैं और न ही इनकी कोई देखरेख हो पाती है।

स्टाफकी है कमी

डॉक्टरों और कर्मचारियों की कमी है। इसी कारण ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उपस्वास्थ्य केन्द्र एवं आरोग्य केन्द्र का संचालन सही ढंग से नहीं हो पा रहा है।सिमगा से लगभग 12 किमी दूर ग्राम तुलसी में स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन में हमेशा ही ताला लगा रहता हे।

तुलसी ग्राम के आसपास खासकर आदिवासी एवं सतनामीओ ग्रामों तोरा, चक्रवाय, नवागांव , आदि ग्रामों के लोगों की स्वास्थ्य सुविधा का एकमात्र शासकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र है जो कि हमेशा ही बंद रहता है। स्वास्थ्य विभाग के जिस स्वास्थ्य अधिकारी या कर्मचारी की उक्त उप स्वास्थ्य केन्द्र में पद स्थापना है। वह कभी भी क्षेत्र में दिखाई नहीं देते थे।

त्रिवेणी संगम में नदी की रेत से शिवलिंग बनाने की सदियों से परंपरा

राजिम। माघी पुन्नी मेला में सोमवार को त्रिवेणी संगम में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने नदी की रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक किया। बिल्वपत्र, धतुरा, केशरईया, कनेर के साथ ही दूध, दही, घी, मिश्री, शक्कर, शहद, सुगंधित तेल, चंदन, गंगाजल समर्पित किया गया। आरती उतारी गई तथा अर्ध परिक्रमा किया गया। पश्चात मंदिरों में पूजा अर्चना एवं जलाभिषेक किये गये। किंवदंति के अनुसार वनवास काल के दौरान दशरथ पुत्र रामचन्द्र देवी सीता के साथ महर्षि लोमश से मिलने पैदल चलते हुए नदी मार्ग से पहुंचे थे। चर्तुमास व्यतीत कर यहां उपस्थित राक्षसों का समूल नाश किया। इस दौरान देवी सीता संगम नदी में स्नान कर शिव के अराधना के लिए रेत से शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक किया। जैसे ही उन्होने जल डाला पांच ओर से धारा फूट गया और उसी दिन से शिवलिंग का नाम पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव नाम पड़ा। जानकारी के मुताबिक ऐसा शिवलिंग विश्व में कहीं और नहीं मिलता इसे विरले शिवलिंग के श्रेणी में रखा गया।

सौ बिल्वपत्र के बदले मिला सौ पुत्र

श्रीमद्राजीलोचनमहातम्य ग्रंथ के अनुसार राजा का उम्र बीतता चला जा रहा था। पुत्र की आकांक्षा से अनेक धार्मिक अनुष्ठान किये। व्रत, उपवास, दान,स्नान इत्यादि कृत्य के बाद भी मनोकामना पूर्ण नहीं हुई। थक हारकर राजा बैठ गये। एकाएक एक ब्रम्हऋषि से मुलाकात हुए। उन्होंने दण्डकारण्य स्थित त्रिवेणी संगम के मध्य में विराजमान कुलेश्वरनाथ ज्योतिर्लिंग दर्शन की बात कहीं। उनके कहे अनुसार पति-पत्नि तीन नदी के संगम पर स्नान किये तथा पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव के जलाभिषेक पश्चात् 100 बिल्वपत्र चढ़ाये। जिसके कारण उन्हें सौ पुत्रों की प्राप्ति हुई।

मंदिर तीन ओर सीढ़ियों से घिरा

सोंढूर, पैरी एवं महानदी के संगम पर बने विशाल मंदिर नदी तल से 17 फुट ऊंची जगती तल पर बनाये गये है जिसमें बड़ी-बड़ी पत्थरों का उपयोग हुआ है। पहुंचने के लिए तीन ओर से सीढिंया हैं। पहला सीढी पूर्व दिशा की ओर, दूसरा उत्तराभिमुख तथा तीसरा दक्षिण दिशा में कम चौड़ाई के है। मंदिर निर्माण की तिथि सातवी शताब्दी बतायी जाती है। महामण्डप को पार कर गर्भगृह पहुंचा जाता है। जहां आशुतोष महादेव शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं द्वतीय गर्भगृह में जगतजननी मां सीता स्थापित है। मंदिर के चौराहे पर विशाल पीपल का वृक्ष सुंदरता में चार चांद लगाये हुए है।

राम ने चतुर्मास किया व्यतीत

लोमश ऋषि का आश्रम कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर से तकरीबन 300 गज की दूरी पर स्थित है। त्रेतायुग में बनवास काल के दौरान रामचंद्र जी पहुंचे तब लोमश ऋषि से उनकी मुलाकात हुई। डॉ. मन्नुलाल यदु ने अपने लेख में लिखा है कि चतुर्मास रूककर रामचंद्र ने यहां मौजूद आसुरी शक्तियों का समूल नाश किया। छत्तीसगढ़ सरकार ने राम वनगमन परिपथ के अंतर्गत राजिम का विकास कर रही है।

सोमवार को रहीं मंदिरों में भीड़

सोमवार को शिव का वार माना गया है इसलिए बड़ी संख्या में श्रध्दालुओं ने जल डालकर जलाभिषेक किये भीड़ ज्यादा होने के कारण कतारबध्द होकर अपने बारी का इंतजार किया। इसी तरह से अन्य मंदिरों में भी खासा भीड़ रही।

बाल विवाह अपराध है, इसके रोकथाम में प्रशासन का सहयोग करें -कलेक्टर

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई ही नहीं अपितु कानूनन अपराध है। इसकी रोकथाम के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा, तभी समाज इस बीमारी से मुक्त हो सकेगा। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि समाज में व्याप्त इस बुराई को पूर्णत: रोकथाम हेतु जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, जिला प्रशासन एवं संबंधित सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय, समाज के सभी मुखियाओं के सहयोग, व्यापक प्रचार-प्रसार व मुनादी कराते हुए आमजनों से सहयोग प्राप्त करते हुए इस प्रथा के उन्मूलन हेतु कारगर कार्यवाही करें।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह करने वाले वर एवं वधु के माता-पिता, सगे संबंधी, बाराती यहां तक की विवाह कराने वाले पूरोहित पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसके अतिरिक्त यदि वर या कन्या बाल विवाह पश्चात विवाह को स्वीकार नही करते है तो बालिग होने के पश्चात विवाह को शून्य घोषित करने हेतु आवेदन कर सकते है। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण, शिशु मृत्य दर एवं मातृ मृत्यु दर के साथ घरेलू हिंसा में भी वृद्धि होती है एवं बाल विवाह बालको के सर्वोत्तम हित में नहीं है अतएव जिले में इसकी रोकथाम किया जाना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ में मुख्यत: रामनवमी एवं अक्षय तृतीया पर बड़ी संख्या में विवाह होते है। इन अवसरों पर बाल विवाह भी हो सकते है। अतएव पूर्व से ही ग्राम पंचायतवार होने विवाहों की समीक्षा ग्राम स्तरीय/खण्ड स्तरीय बाल संरक्षण समिति के माध्यम से की जाए एवं बाल विवाह होने के संबंध में जानकारी प्राप्त होने पर विवाह रोकने हेतु समझाईश देते हुए नहीं मानने पर कानूनी कार्यवाही करें। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाल विवाह रोकथाम हेतु मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना की जानकारी व लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाये ताकि बाल विवाह की रोकथाम की जा सके। बाल विवाह रोकथाम में किशोरी बालिकाएं एवं किशोरी बालिका समूहों की मुख्य भागीदारी हो सकती है। अतएव इनका सहयोग बाल विवाह रोकथाम हेतु अनिवार्यत: ले। प्रत्येक जिले में महिला स्व-सहायता समूह गठित है। इन समूह को भी बाल विवाह रोकथाम में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे। आगामी 30 मार्च 2023 रामनवमी एवं 22 अप्रैल 2023 अक्षय तृतीया में बाल विवाह की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन सजग रहते हुए बाल विवाह रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

दिल्ली के लालकिला और राजिम महोत्सव मंच में कोई फर्क नहीं: पुरूषोत्तम चंद्राकर

राजिम। 31 जनवरी को दिल्ली के लालकिला में प्रस्तुति देना का अवसर मिला। वहां की मंचीय व्यवस्था और राजिम की खासियत में समानता नजर आई। मुझे कोई फर्क नहीं लग रहा है। माईक कलाकारों की जान होती है हमारी आवाज को आम दर्शकों को पहुंचते है। इतना बढ़िया संयोजन ने दिल जीत लिया। उक्त बातें न्यू चंगोराभाठा रायपुर लोक रंजनी के लोकगायक डॉ. पुरूषोत्तम चंद्राकर ने मीडिया से कही। उन्होंने बताया कि प्रस्तुति देने हर कलाकार को प्रयास होता है कि दर्शक अपने परिवार के साथ बैठकर पूरे कार्यक्रम देखे। वर्तमान में सस्ती लोकप्रियता के चक्कर में लोग कुछ भी परोस रहे है, यह ठीक नहीं है। सन् 2002 में लोकरंजनी अस्तित्व में आया इससे पहले मैं रायपुर की चित्रोत्पला संस्था से जुड़ा रहा। राजा फेकलवा और दशमत कैना पर खूब काम किया, नतीजा देश-विदेश में चर्चा रही।

बता दें कि लोकरंजनी के माध्यम से असम में छत्तीसगढ़ का नेतृत्व करने का अवसर मिला। वहां आदिवासी परंपरा ने विवाह बंधन का मंचन को बहुत सराहना मिली। चंद्राकर ने आगे बताया कि हमारे टीम में 32 कलाकार है। देश के बड़े से छोटे महोत्सव जिनमें चक्रधर समारोह, बिलासा महोत्सव, सिरपुर महोत्सव, राज्योत्सव आदि में निरंतर मौका मिल रहा है। उन्होंने बताया कि शीघ्र जर्मनी के बर्लिन शहर में कार्यक्रम देने की बात चल रही है। हमने बहुत सारे शार्ट फिल्मों में भी काम किया है। जिनमें प्रमुख रूप से द गोल्ड एंड चिकन स्टोरी जिसे अमेरिका में सम्मानित किया गया। सन् 2018 में युवाओं के भटकाव पर क्लिप जारी हुआ जिसे कांस फिल्म फेस्टीवल में स्थान मिला। अभिनेत्री एश्वर्या राय ने इनकी तारिफ की थी। छत्तीसगढ़ी फिल्म चक्कर गुरूजी के, कबीर, परोसी भांटो में मुझे अभिनय करने का अवसर मिला जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

सिमगा में फर्जी तरीके से संचालित हो रहे पैथोलॉजी लैब

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट

सिमगा। स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता से सिमगा ब्लॉक में फर्जी पैथलॉजी लैब का कारोबार खूब फलफूल रहा है। सिमगा में अवैध पैथोलॉजी लैब की बाढ़ सी आ गई है। कलेक्शन सेंटर की आड़ में धड़ल्ले से अवैध पैथोलॉजी लैबों का संचालन किया जा रहा है। सिमगा नगर, दामाखेड़ा, हथबंद में ही जगह-जगह पैथोलॉजी लैब खोल ली गई हैं और इनकी संख्या में तेजी से इजाफ भी होता जा रहा है। बिना रजिस्ट्रेशन व अधिकृत मान्यता न होने के बावजूद संचालित हो रहीं पैथोलॉजी

लैबों की जानकारी होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।शहर में डॉक्टरों के क्लीनिक व नर्सिंग होम के आसपास कुकुरमुत्ते की तरह उपजे पैथोलॉजी लैबों में जहां एक तरफ मरीजों का आर्थिक शोषण होता है, वहीं उनके द्वारा किए गए जांच की गलत रिपोर्ट होने से मरीजों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

केवल शहर में 50 से अधिक पैथोलॉजी लैब संचालित हो रहे हैं।लेकिन,स्वास्थ्य विभाग के पास पूरे सिमगा में रजिस्टर्ड पैथोलॉजी लैब की संख्या बताने से कतराते हैं। जानकारों का कहना है कि शहर में पांच पैथोलॉजी जांच घर ही एमडी पैथोलॉजिस्ट द्वारा चल रहे हैं। इसके अलावा जो पैथोलॉजी लैब हैं वे एमबीबीएस डॉक्टरों की देखरेख में संचालित हैं।

वहीं कुछ लैब टेक्नीशियनों द्वारा भी पैथोलॉजी लैब चलाए जा रहे हैं। लेकिन सबसे संख्या वैसे पैथोलॉजी लैबों की है जिन्हें न तो डॉक्टर चला रहे हैं ना एलटी। ऐसे पैथोलॉजी लैब फर्जी तरीके से संचालित हो रही है।

सिमगा में ऐसे पैथोलॉजी लैबों की संख्या काफी अधिक हैं। केवल अस्पताल रोड़ में ही दर्जनों ऐसे लैब संचालित हैं जिनपर कहीं कोई साइन बोर्ड तक नहीं लगा है। ये डॉक्टरों के पास कार्यरत स्टॉफ की मिलीभगत से मरीज को लैब तक लाते हैं। सिमगा ब्लॉक में कुछ ऐसे पैथोलॉजी लैब भी चल रहे हैं जो किसी ऐसे डॉक्टर के नाम पर रजिस्टर्ड है जो यहां रहते तक नहीं है।

उन लैबों में नौसिखिए खून निकाल रहे हैं। जांच कर रहे हैं और रिपोर्ट भी बनाकर दे दे रहे हैं। इतना ही नहीं उस रिपोर्ट पर किसी डॉक्टर का हस्ताक्षर ले लेते हैं। ये डॉक्टर कौन होता है कोई नहीं जानता। सभी की रिपोर्ट में किसी न किसी डॉक्टर का हस्ताक्षर रहता है। जबकि ऐसे कई जांच हैं जो सिर्फ एमडी (पैथोलॉजी) ही कर सकते हैं।

स्वर्गीय चुन्नू पांडेय को जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने दी श्रद्धांजलि

रायगढ़। जिले कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने स्वर्गीय चुन्नू पांडेय के आसमयिक निधन पर शोक जताया उन्होंने अपने शौक संदेश में कहा कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े स्वर्गीय चुन्नू पांडेय हर दिल अजीज मिलनसार व्यक्तित्व के धनी और सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति थे मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि प्रेषित करता हूँ एवम उनके निधन से स्तब्ध हूँ । इस अल्पआयु में उनका हमें छोड़कर जाना हमारे व उनके परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे व उनके परिजनों को इस दुख को सहने की हिम्मत प्रदान करे उन्होंने अपना शोक संदेश जारी कर उनके परिजनों उनके बड़े भ्राता अनिल पाण्डेय,वरिष्ठ पत्रकार एवम कांग्रेस नेता राकेश पाण्डेय को शोक संवेदनाएं प्रेषित की हैं।

टीचर्स एसोसिएशन व शालेय शिक्षक संघ के पदाधिकारी रहे उपस्थित

पूर्व सेवा गणना से पूर्ण पेंशन, वेतन विसंगति, क्रमोन्नति व पदोन्नति का लाभ देने सौंपा ज्ञापन

■ 20 फरवरी को रायपुर में जंगी प्रदर्शन की घोषणा

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, शालेय शिक्षक संघ, के पदाधिकारियों ने आज जिला कलेक्टर दंतेवाड़ा को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा का लाभ देने ज्ञापन सौंपा गया जिला संयोजक उदयप्रकाश शुक्ला,संतोष मिश्रा ने बताया कि

सर्वसम्मति से पूर्व सेवा गणना शिक्षक मोर्चा का गठन किया गया ज्ञात हो कि शिक्षक मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल द्वारा आलोक शुक्ला प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग, अतिश पांडेय संयुक्त सचिव वित्त विभाग, गिरीश काले संयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन एवं अन्य अधिकारियों से मुलाकात करके पेंशन के लिए सेवा की गणना सम्बन्धी जिज्ञासाओं का समाधान करने का प्रयास किया, अधिकारियों के जवाब से स्पष्ट हुआ कि वर्तमान नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार शिक्षक एल बी संवर्ग की पेंशन निर्धारण हेतु सेवा की गणना उनके संविलियन दिनांक से की जाएगी, न कि शिक्षा कर्मी के रूप में उनके प्रथम नियुक्ति तिथि या 1 अप्रैल 2012 से।

उक्त स्थिति में प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षा कर्मी के रूप में प्रथम नियुक्ति के आधार पर पुरानी पेंशन गणना करने का मांग पत्र सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने के बाद दिनेश गवेल नोहर साहू,नारायण सहज कमल रावत, पलकेश सोनी,पोरस बिंझेकर ने बताया कि पूर्व सेवा अवधि (प्रथम नियुक्ति तिथि) से गणना करते हुए पुरानी पेंशन के लिए सेवा अवधि का गणना करने, क्रमोन्नत वेतनमान देने, 33 वर्ष की अहर्तादायी सेवा के स्थान पर 20 वर्ष की अहर्तादायी सेवा के आधार पर पूर्ण पेंशन देने का ज्ञापन पूरे राज्य में आज सौंपा जा रहा है साथ ही 15 से 19 फरवरी 2023 के बीच विधायकों को ज्ञापन दिया जाएगा व 20 फरवरी 2023 को बूढ़ा तालाब रायपुर में जंगी प्रदर्शन किया जाएगा।

ज्ञात हो मुख्यमंत्री जी ने पुरानी पेंशन को उदारता पूर्वक घोषित किया था और उनके सामने प्रथम नियुक्ति तिथि से ही पुरानी पेंशन देने हेतु आग्रह किया गया था, उन्होंने अधिकारियों को शिक्षक प्रतिनिधियों से बैठक कर निर्णय लेने निर्देश दिया था, किन्तु अधिकारियों ने मनमर्जी से सीधे आदेश जारी कर दिया, जिससे हजारो शिक्षक बिना पेंशन के रिटायर जो रहे है, जिसके कारण शिक्षक संवर्ग आक्रोशित हो चुके है।

लोन वर्राटू में 01 और माओवादी ने चुना शांति का रास्ता भूमा कुंजाम (पीरनार कमेटी सदस्य)

दंतेवाडा (भारत भास्कर)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत जिला दंतेवाड़ा के विभिन्न ग्रामों के व्यक्ति जो प्रतिबंधित नक्सली संगठन में सक्रिय है उन्हें आत्मसमर्पण कर सम्मान पूर्वक जीवन यापन करने के लिए थाना / कैम्पों एवं ग्राम पंचायतों में संबंधित क्षेत्र के सक्रिय माओवादियों के नाम चस्पा कर लोन वर्राटू (घर वापस आईये अभियान चलाया जा रहा है एवं उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप (भा.पु.से.) दन्तेवाड़ा रेंज, उप पुलिस महानिरीक्षक (परि) सीआरपीएफविनय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) के द्वारा नक्सली संगठन में सक्रिय माओवादियों से आत्मसमर्पण कर सम्मान पूर्वक जीवन यापन करने के लिए लगातार आहूवान कर अपील किये जाने पर आज दिनांक 13.02.2023 को मलांगेर एरिया कमेटी अन्तर्गत पीरनार कमेटी सदस्य भूमा कुंजाम पिता स्व0 हुंगा कुंजाम उम्र लगभग 27 वर्ष जाति मुरिया निवासी पीरनार पटेलपारा थाना किरन्दुल जिला दन्तेवाड़ा ने माओवादी संगठन के खोखली विचारधारा से तंग आकर लोन वर्रा (घर वापस आईये अभियान) एवं छत्तीसगढ़ शासन के पुनर्वास योजना से प्रभावित होकर समाज के मुख्यधारा से जुड़कर विकास में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त करते हुए उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप (भा.पु.से.) दन्तेवाड़ा रेंज, उप पुलिस महानिरीक्षक (परि) सीआरपीएफ विनय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.), अरूण कुमार सज्जा द्वितीय कमान अधिकारी सीआरपीएफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा राम कुमार बर्मन (रा.पु.से.), सत्य नारायण तंवर डिप्टी कमाण्डेट (आसूचना शाखा) सीआरपीएफ एवं उप पुलिस अधीक्षक सुश्री आशा रानी (रा.पु.से.) अनुविभागीय अधिकारी बारसूर के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण कराने में आरएफटी दन्तेवाड़ा का विशेष योगदान रहा। लोन दर्राटू अभियान के तहत अब तक 150 ईनामी माओवादी सहित कुल 594 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं। आत्मसमर्पित माओवादी भूमा कुंजाम पिता स्व0 हुंगा कुंजाम निम्नलिखित घटना में शामिल था :- 1. वर्ष 2016 में नक्सली बंद के दौरान ग्राम पेरणा से मड़कामीरास जाने वाले मुख्यमार्ग को पेरपा चौक से पीरनार तक लगभग 05-06 अलग-अलग स्थानों पर रोड़ खोदकर मार्ग अवरोध करने की घटना में शामिल था। 2. वर्ष 2017 में नक्सली बंद के दौरान किरन्दुल एरसार चौक से हिरोली जाने वाले मुख्यमार्ग के बीच लगभग 04-05 अलग-अलग स्थानों पर पेड़ काटकर मार्ग अवरोध करने की घटना में शामिल था। 3. वर्ष 2019 में नक्सली बंद के दौरान किरन्दुल एस्सार के पास 01 जेसीबी, 01 पोकलेन एवं 02 टिप्पर वाहनों 2. को आगजनी करने की घटना में शामिल था।

अब पंचायत प्रतिनिधि और आम नागरिक मोबाइल पर ही देख सकेंगे शासन, जिला, जनपद और ग्राम पंचायत द्वारा जारी सूचनाएं, पी नोटिस बोर्ड, मोबाईल एप पर

■ विभगीय शिथिलता की वजहों से पी नोटिस बोर्ड मोबाईल एप ग्रामीणों की पहुंच से कोसों दूर

दंतेवाडा (भारत भास्कर) छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एंव ग्रामीण विभाग द्वारा आम व्यक्तियों को ग्राम पंचायत,जनपद, जिला पंचायत की सूचना उनके मोबाईल फोन पर कभी भी कही भी उपलब्ध कराने हेतु इस मोबाइल फोन एप निर्मित किया गया हैं।

इस मोबाइल एप के जारी होने से ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों को सूचनाओं, निर्देशों एवं योजनाओं की जानकारी के लिए बार-बार ग्राम, जनपद या जिला पंचायत के चक्कर नही काटने पड़ेंगे। गांव से बाहर रहने पर भी उन्हें सूचना मिल जाएगी। ग्राम पंचायतों में आम जनों तक सूचना पहुंचाने अब तक अपनाए जाने वाले उपाय जैसे दीवार लेखन, मुनादी या सूचना चस्पा करने पर समय पर जानकारी नहीं मिलने की शिकायतें आती थीं। ग्रामीणों द्वारा यह शिकायत भी इससे दूर होगी।

यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सरपंच और पंचायत सचिव भी अपनी पंचायत से संबंधित सूचनाएं इसमें अपलोड कर सकेंगे। एप पर

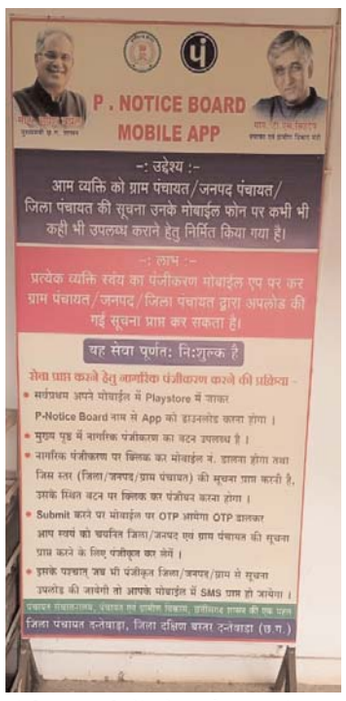

पंजीकृत ग्रामीणों को उनके ग्राम पंचायत द्वारा अपलोड की गई सूचनाएं मोबाइल पर एसएमएस के रूप में स्वत: प्राप्त होगी। इसके लिए उन्हें अपना मोबाइल नंबर एक बार एप पर पंजीकृत करना पड़ेगा। एप के मुख्य पेज पर यूजर पंजीकरण पर क्लिक कर मोबाइल नंबर दर्ज करने पर ओटीपी प्राप्त होगा। इस ओटीपी को दर्ज करते ही वह मोबाइल नंबर पंजीकृत हो जाएगा।

गौरतलब करने वाली बात यह है कि छत्तीसगढ़ शासन ने इस मोबाइल एप को लांच कर दिया हैं। मगर विभाग की उदासीनता की वजह से यह मोबाईल एप ग्रामीणों से अभी भी कोसों दूर हैं। इस एप को लांच करने का उद्देश्य यह भी था, की पंचायत स्तर पर जितनी भी सरकारी योजना एवं जनकल्याणकारी कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। पंचायतों में निर्माण कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति आदेश, तकनीकी स्वीकृति आदेश, खर्च किये गए रुपये की जानकारी आम लोगों को आसानी से मोबाईल फोन पर मिल सके। कुछ लोगों ने नाम ना बताने की शर्त पर यह जानकारी दी हैं कि पंचायत में 13 वे वित्त, 14 वे वित्त, 15 वे वित्त, मूलभूत, खनिज न्यास निधि, एनएमडीसी के सीएसआर मद से राशि का मनमाने तरीके से खर्च कर दिया गया हैं। जिसकी जानकारी आपको इस मोबाईल एप एवं विभगीय वेबसाइट पर भी नही मिलेगी।

इस सम्बन्ध में विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जानकारी अभी अपलोड किया जा रहा हैं। जल्द ही पूरी जानकारी विभगीय वेबसाइट में अपलोड हो जाएगी। और बड़ी आसानी से आमजन को इस मोबाईल एप के माध्यम से जानकारी मिलने लगेगी।

हायर ने लॉन्च किया किनौची 5 स्टार हैवी-ड्यूटी प्रो एयर कंडीशनर, 10 सेकंड में सुपरसोनिक कूलिंग की सुविधा

रायपुर। हायर, जो कि होम एप्लायंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में एक ग्लोबल लीडर होने के साथ साथ लगातार 14 वर्षों से मेजर एप्लायंसेज में दुनिया का नंबर 1 ब्रांड है, ने आज भारत में अपने किनोची 5 स्टार हैवी-ड्यूटी प्रो एयर कंडीशनर सीरीज को लॉन्च करने की घोषणा की। किनोची एसी सीरीज इंटेली स्मार्ट फीचर्स एवं हायर स्मार्ट ऐप के साथ साथ सुपरकूलिंग फीचर तथा कम्फर्ट कंट्रोल के साथ दमदार परफॉर्मेंस देने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए इनोवेटिव प्रोडक्ट्स के उत्पादन के लिए हायर की प्रतिबद्धता व्यवसाय के मूल में निहित है, साथ ही इंस्पायर्ड लिविंग के लिए उपभोक्ताओं की मांगों को पूरा करने के लिए ब्रांड निरंतर तरीके से विकसित होता जा रहा है। इसके साथ ही हायर भारत में लोकल मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से प्रीमियम प्रोडक्ट्स के उत्पादन पर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में हायर की अत्याधुनिक सुविधा ने भारतीय ग्राहकों के लिए विशेष रूप से प्रीमियम एवं हाई-एंड प्रोडक्ट्स के लिए ब्रांड को विकसित करना जारी रखा हुआ है।

जगुआर टीसीएस रेसिंग भारत में फॉर्मूला ई में डेब्यू करने के लिए पहले ग्रीन को हैदराबाद ई-प्रिक्स में मुकाबला करने के लिए तैयार

रायपुर। जगुआर टीएस रेसिंग भारत में हैदराबाद की सड़कों और गलियों में पहली बार इस वीकेंड आयोजित होने वाली 2023 एबीबी एफआईए फार्मूला ई वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपनी जगुआर आई-टाइप 6 का डेब्यू करेगी। ग्रीनको हैदराबाद ई-प्रिक्स में शनिवार, 11 फरवरी को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 3 बजे यह रेस शुरू होगी। हैदराबाद ऑल इलेक्ट्रिक वर्ल्ड चैंपियनशिप के सीजन 9 के लिए पहले 4 नए ब्रैंड न्यू रेस लोकेशंस में से एक है। इस रेस में दिल के आकार में बनी हुसैन सागर झील के तट पर 2.83 किमी के स्ट्रीट सर्किट के 32 लैप्स शामिल हैं। जनवरी मे दिरियाह में डबल-हेडर में बेहतरीन और सकारात्मक परफॉर्मेंस के बाद ड्राइवर मिच इवांस और सैम बर्ड का लक्ष्य और ज्यादा पॉइंट्स जीतना और पोडियम पर अपनी जगह को सुरक्षित रखना है। दूसरे और तीसरे राउंड में सैम ने तीसरी और चौथी पोजीशन हासिल की। दूसरे और तीसरे राउंड में दसवें और सातवें नंबर पर आने के बाद मिच ने पॉइंट्स हासिल किए। उन्होंने तीसरे राउंड की क्वॉलिफाइंग और प्रारंभिक स्टेज पर काफी शानदार प्रदर्शन किया, जब उन्होंने पहले कार्नर से इस रेस का नेतृत्व किया था। जगुआर टीसीएस रेसिंग ने आधिकारिक सप्लायर के रूप में AERO के साथ नई साझेदारी की घोषणा की है। पेंट इंडस्ट्री में क्रांति करते हुए, AERO ने परंपरागत कार पेंट का एक नया विकल्प पेश किया है। एयरो ने यह कार पेंट आधुनिक फिल्म बेस्ड मटीरियल तकनीक का उपयोग कर बनाया है। इसे अविश्वसनीय रूप से सुव्यवस्थित किया है। इसके निर्माण और कार पर पेंट करने में काफी ठोस प्रक्रिया अपनाई गई है।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के लिए जिम्मेदार, बस्तर की मुख्य समस्या अनपढ़ नेता और चारागाह समझने वाले शासन प्रशासक

दंतेवाडा (भारत भास्कर)। बस्तर माटी पुत्र, महेश स्वर्ण अध्यक्ष माहरा आदिवासी समाज बस्तर संभाग जगदलपुर छत्तीसगढ़, ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि माहरा महरा जाति के लोग भी अनूसूचित जाति के (एस सी) फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर संविधान में वर्णित (अनुच्छेद 341) अधिकार और नियम कानूनों का धजिया उड़ा रहे हैं और फर्जी तरीके से जाति प्रमाण पत्र बनाकर नौकरी कर रहे हैं। फर्जी जाति प्रमाण पत्र धारी और जारी करने वाले अधिकारीयो के कारण मूल निवासी माहरा आदिवासी समाज को आरक्षण से वंचित होना पड़ रहा हैं और आज माहरा आदिवासी समाज अपने वर्ग के लिए संघर्ष कर रहा

है। शासन प्रशासन में बैठे प्रशासक और आरक्षित वर्ग से चुनकर गए अनपढ़ राजनेता कुछ कर नहीं पा रहे है फर्जी जाति प्रमाण पत्र धारियों की संरक्षण कर रहे हैं। बस्तर संभाग ही नही पूरे प्रदेश में संविधान में वर्णित अनुच्छेद 340,341,342,अनुच्छेदो का खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए दबे कुचले लोगो का हक को लुटा जा रहा है और अधिकारो को लूटने से बचा नही पा रहे है शासन प्रशासन और इनके लिए बनाए गए आयोग में बैठे दलाल नुमा लोग अपनी भागीदारी केवल शानो शौकत भोगने में मस्त हैं और फर्जी जाति प्रमाण पत्र धारियों का संरक्षक बने हुए हैं।

माहरा आदिवासी समाज बस्तर की मुख्य आदिम समाज तथा संस्कृति रुढ़ी परंपरा और संस्कृति की वाहक बीज समाज है। परन्तु आज कुछ लोगो के गुमराह करने के कारण अपने संवैधानिक हक अधिकार से वंचित होना पड़ रहा हैं और रखा जा रहा है। जिससे माहरा आदिवासी समाज के बच्चो को शिक्षा और उच्च शिक्षा में भी बाधा हो गई है जिसके कारण समाज मुख्य धारा से पिछड़ गई है। संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखना राष्ट्र द्रोह की क्षेणी में आता है या नहीं। क्या इन राजनेताओं प्रशासकों समाज सेवको और जो हमारे हक अधिकार को देने के लिए ज़िम्मेदार है और जो पढे लिखे है । उनकी जिम्मेदारी नहीं निभाने के कारण संवैधानिक अधिकार नहीं मिल पा रही हैं। समाज पूछता है क्या ऐसे ज़िम्मेदार लोगो के उपर संविधान विद्रोह का जुर्म दर्ज होगा? माहरा आदिवासी समाज शासन प्रशासन से माग करती हैं बस्तर के आरक्षित एसटी एससी ओबीसी वर्ग में बहुतायत लोग फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाकर नौकरी कर रहे हैं और अन्य का हक अधिकार का उपयोग कर रहे हैं उसकी जांच कर कठोर कार्यवाही किया जाए साथ ही उनकी संपत्ति को जप्त कर रिकवरी किया जाए। शासन प्रशासन किसी को संवैधानिक हक अधिकार दिलाने में सहायक नही बन सकती हैं तो पूर्व से दिए अधिकारो में डाका डालने में मदत तो ना करें !नही तो गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहें। हम मूल निवासी मूल अधिकारों से खिलवाड़ करने वालो को बर्दास्त नही करेगे और आनेवाले समय में सबक सिखायेगे।

ब्रेकिंग न्यूज

स्कार्पियों व तवेरा वाहन से 34 नग साल चिरान के साथ 4 तस्कर पकड़ाये

जगदलपुर। मुख्य वन संरक्षक जगदलपुर वृत्त जगदलपुर के सतत मार्ग दर्शन में राज्य स्तर पर अवैध तस्करी व अवैध कटाई पर कड़ाई करने के निर्देशानुसार मिली सूचना पर ग्राम बामनारास में परिक्षेत्र जगदलपुर के वन कर्मचारियों द्वारा घेराबंदी कर बीती रात्रि लगभग 01 बजे दो वाहन स्कार्पियों वाहन क्र. सीजी 18 टी/0342 में अवैध साल चिरान 13 नग=0.163 घ.मी. वाहन मालिक/चालक अमित कश्यप पिता ललना कश्यप एवं लक्ष्मण पिता सुरू जाति माडिया ग्राम चिड़पाल एवं टवेरा वाहन सीजी.-04 एचए 3641 में अवैध साल चिरान 21 नग 0.265 घ.मी. वाहन चालक मालिक सेश्वर यादव पिता सुंदर एवं सम्मात पिता भुरसू ग्राम चिडपाल को मय वाहन जप्त कर पीओआर. क्र. 16789/10 एवं 16789/11 को 13 फरवरी 2023 को जारी किया गया। वाहन जप्त कर नियमानुसार कार्यवाही जारी है, इस अभियान से कर्मचारियों का मनोबल बड़ा है, वन संपदा के चोरों एवं तस्करों में भय व्याप्त भी हुआ है। मुख्य वन संरक्षक मो. शाहिद, वनमण्डलाधिकारी डीपी साहू ने इस अभियान को अनवरत जारी रखने का निर्देश देते हुये सभी रेंज जगदलपुर के कर्मचारियों को बधाई दी है।

अवैध चिरान पर कार्यवाही अभियान में अभिशेन श्रीवास्तव, अमित झा, निर्मल देवांगन, प्रमोद नेताम, दामोदर सेठिया, शंभूनाथ मौर्य सुखराम कश्यप रामसिंह बघेल संजीत बोस एवं वन प्रबंधन समिति सदस्यों का योगदान रहा है।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर लगा प्रतिबंध

दंतेवाड़ा। जिले में शालेय एवं महाविद्यालय वार्षिक परीक्षा 01 मार्च से प्रारंभ होने से विद्यार्थियों के अध्ययन कार्य में व्यवधान न हो, इस हेतु छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 6 (2) एवं 10 (2) के साथ पठित भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 133 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए एतद् द्वारा संपूर्ण दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले में आदेश जारी होने की तिथि से 15 मई तक की अवधि में अधिनियम की धारा 13 (1) में उल्लेखित अवसरों को छोड़कर धारा 2क,ख एवं ग के अंतर्गत परिभाषित कोलाहल एवं समस्त ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्ण समय (दिन/रात) के लिए प्रतिबंध लगाई गई है। इस आदेश का उल्लंघन अधिनियम की धारा 15 के अधीन दंडनीय है। साथ ही अधिनियम की धारा 2घ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा (7) के प्रयोजन के लिए उपयुक्त अवसरों पर सीमित अवधि के लिए अनुज्ञा देने हेतु अनुविभागीय दंडाधिकारी दंतेवाड़ा को उनके स्थानीय क्षेत्राधिकार अंतर्गत निहित अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु सशक्त किया जाता है।

गादीरास में सक्रिय रहे 2 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिने में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत गादीरास इलाके में सक्रिय 02 नक्सलियों डीएकेएमएस उपाध्यक्ष सोड़ी सुला और डीएकेएमएस सदस्य कड़ाम गंगा ने सीआरपीएफ द्वितिय बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी अनामी शरण एवं डीएसपी संजय सिंह के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उक्त नक्सलियों का आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित करने में दूसरी वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोनों आत्मसमर्पित नक्सली वर्ष 2012 से नक्सली संगठन में जुड़कर थाना गादीरास व थाना फुलबगड़ी क्षेत्रों में घटित विभिन्न नक्सली गतिविधियों में सम्मिलित रहे है। उक्त दोनों आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं प्रदान किया जायेगा।

उधार का पैसा मांगने पर विधायक प्रतिनिधि ने व्यापारी को जान से मारने की दी धमकी

जगदलपुर। जिले के कुकानार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुकानार निवासी अशोक चौहान से शहर के व्यापारी सचिन जैन ने उधार का पैसा मांगे जाने पर अपने आप को प्रभारी मंत्री कवासी लखमा का विधायक प्रतिनिधि होने का धौंस दिखकर चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दिये जाने की शिकायत कुकानार थाना में किया है। व्यापारी सचिन ने बताया कि जब उससे उधार का पैसा मांगा गया तो उसने धमकी दी कि वह मंत्री कवासी लखमा का विधायक प्रतिनिधि है, उसका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता। इस दौरान संजय सिंह भी वहां मौजूद रहे।

संजय बाजार जगदलपुर में किराने के थोक व्यवसायी सचिन जैन ने पुलिस में लिखित शिकायत करते हुए कहा कि उनकी दुकान से कूकानार निवासी अशोक चौहान ने 70 हजार रूपए का सामान खरीदा और एक सप्ताह में पैसे देने की बात कही, और नहीं दी। अब जब एक महीने बाद 10 फरवरी को राशि मांगने पर मेरे पास रूपये नहीं है, जब होगा दे दूंगा। दोबारा मांगे जाने पर आग बबूला हो गया और गुस्से में आकर गाली गलौच करते हुए दुकान से चाकू निकालकर धमकी दी कि, यदि मैंने उससे दुबारा रूपया मांगा तो वह मुझे जान से मार डालेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीजी पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा, दो पालियों में संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा आज आयोजित की गई। दो पालियों में हुई परीक्षा के लिए प्रदेश के 28 जिलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की ओर से विभिन्न विभागों के कुल 189 पदों के लिए परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान कोविड गाइडलाइन का पालन किया गया। यही नहीं अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश पत्र और फोटो पहचान पत्र के साथ उपस्थिति के साथ ही प्रवेश दिया गया। प्रारंभिक परीक्षा के लिए आयोग की वेबसाइट के जरिए करीबन एक लाख 40 हजार युवाओं ने आवेदन किया था। परीक्षा के लिए रायपुर में 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए है, जहां 10 हजार 88 अभ्यार्थी शामिल हुए। वहीं दुर्ग जिले में 65 परीक्षा केन्द्र बनाये गए हैं, जहां कुल 25302 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। बिलासपुर जिले में 70 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 26 हजार 349 प्रतियोगियों ने परीक्षा दी। इस बार डिप्टी कलेक्टर के 15, डीएसपी के आठ, नायब तहसीलदार के 70 पदों के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई। इसके अलावा खाद्य अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, राज्य वित्त सेवा अधिकारी, सहायक संचालक, जिला महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी, जिला पंजीयक, राज्य कर सहायक आयुक्त, जिला जेल अधीक्षक, बाल विकास परियोजना अधिकारी, अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी, आबकारी उप निरीक्षक, सहकारी विस्तार अधिकारी, सहायक जेल अधीक्षक सहित अन्य पद भरे जाएंगे।

कलर्स मॉल के सामने खड़ी बाइक पार

रायपुर। कलर्स मॉल के सामने खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार आरकेसी परिसर निवासी प्रार्थी दीपक भुक्ता 34 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 सीएक्स 3157 को कलर्स मॉल के सामने मेन रोड में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

राजधानी पुलिस ने सरेआम शराब पीते 14 को गिरफ्तार किया

रायपुर। राजधानी पुलिस ने सरेआम शराब पीते 14 नशेड़ियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार सेजबहार पुलिस ने ग्राम डोमा तिराहा के पास शराब पीते आरोपी लेखन साहू 27 वर्ष व डीलेश्वर कोसले 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपी राजेश ढोमने 43 वर्ष, हरकराम यादव 48 वर्ष व चंदन ठाकुर 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खमतराई पुलिस ने आरोपी संजय साव 25 वर्ष व राजेश साहू 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह गोलबाजार पुलिस ने आरोपी यशवंत कुमार धुरंधर 28 वर्ष, अशोक साहू 35 वर्ष, भागबली नेताम 24 वर्ष, गोलू ध्रुव 35 वर्ष व जीतू यादव 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी राजेश बंजारे 32 वर्ष, टिकेश्वर ढीमर 36 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

पिंक टायलेट के पास चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। शास्त्री बाजार स्थित पिंक टायलेट के पास चाकू लहराते एक युवक को गोलबाजार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार गोलबाजार पुलिस को सूचना मिली कि पिंक टायलेट के पास एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी तौफीक अहमद 18 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त कर धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

कम लागत में कोसा निर्माण कर कमाया जा सकता है अधिक मुनाफा

रायपुर। माघी पुन्नी मेला में शासकीय स्टॉलों के द्वारा योजनाओं की जानकारी मेला में मेलार्थियों को स्टॉल में उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों के द्वारा जानकारी दी जा रही है। ग्रामोद्योग संचानालय रेशम विभाग स्टॉल में उपस्थित किरवई से आए सूरजभान साहू ने बताया कि कोसे से धागा निकालने के लिए तितली के द्वारा अंडा प्राप्त होते है, उस अंडे से ईल्ली निकलने में 9 दिन लगते है। फिर उस ईल्ली को कहुआ और शहतूत के ठंडल लेकर ईल्ली के पास ले जाया जाता है और ईल्ली उस डंठल में आते है, फिर उस डंठल को ले जाकर कहुआ और शहतूत के पेड़ में ईल्ली को डाल देते है, फिर ईल्ली पत्ते को खाकर लार छोड़ते-छोड़ते कोसे का निर्माण करते है और ईल्ली का आकार भी छोटा होता जाता है और वह ईल्ली अपने बनाये कोसे के अंदर ही होते है, फिर कोसा उत्पादक कहुआ पेड़ में फ्ल के समान दिखने वाले कोसे को कांट लेते है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के प्रथम वित्त मंत्री कोरिया कुमार डॉ रामचंद्र सिंहदेव की प्रतिमा का किया अनावरण

स्वर्गीय डॉ. रामचंद्र सिंहदेव ने फकीर का जीवन जिया: मुख्यमंत्री

- बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी कोरिया कुमार का पूरा जीवन छत्तीसगढ़ के विकास को रहा समर्पित
- डॉ सिंहदेव की जयंती अवसर पर मुख्यमंत्री ने साझा की राजनीतिक और व्यक्तिगत स्मृतियां

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के प्रथम वित्त मंत्री कोरिया कुमार डॉ रामचंद्र सिंहदेव की प्रतिमा का किया अनावरणबहुआयामी व्यक्तित्व के धनी कोरिया कुमार का पूरा जीवन छत्तीसगढ़ के विकास को रहा समर्पितसमाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज प्रदेश के प्रथम वित्त मंत्री, कोरिया कुमार के नाम से विख्यात स्वर्गीय डॉ रामचंद्र सिंहदेव की जयंती अवसर पर कोरिया जिला के मुख्यालय बैकुंठपुर के घड़ी चौक में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। आज यह चौक कोरिया कुमार को समर्पित किया गया। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्वर्गीय डॉ. रामचंद्र सिंहदेव को याद करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन छत्तीसगढ़ को समर्पित रहा। उनके चिंतन के केंद्र में छत्तीसगढ़ और कोरिया हमेशा से रहा और यहां के विकास के बारे में वे हमेशा चर्चा करते रहे। वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। श्री बघेल ने कहा कि कोरिया कुमार डॉ. सिंहदेव ने भले ही राजपरिवार में जन्म लिया पर उन्होंने एक फक्रीर का जीवन जिया। उनका जीवन बेहद सादगीपूर्ण रहा। वे आजीवन मितव्ययी रहे। डॉ. रामचंद्र सिंहदेव सहज, सरल, मिलनसार, हंसमुख व्यक्तित्व के धनी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह आदिवासी अपनी आवश्यकतानुसार ही प्रकृति से लेते हैं, संग्रहण करके नहीं रखते, उसी

तरह कोरिया कुमार अपने जीवन में रहे। मुख्यमंत्री ने अपने पीएचई मंत्री के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उस दौरान उनके वाटर रिचार्जिंग के काम का अध्ययन करने स्वयं डॉ सिंहदेव क्षेत्र के निरीक्षण के पर पहुंचे थे। उनकी विशेषज्ञता जलप्रबंधन और सिंचाई परियोजनाओं में रही। डॉ सिंहदेव के साथ उनके पारिवारिक संबंध भी रहे। वे हमेशा बच्चों से घुल-मिल कर रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब 1967 में वे विधायक और मंत्री बने तब आधे विभाग उनके पास थे। योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने उल्लेखनीय सेवायें दीं। जब छत्तीसगढ़ बना तो वे प्रदेश के पहले वित्त मंत्री बने। आज छत्तीसगढ़ की जो प्रगतिशील अर्थव्यवस्था है उसकी नींव में उनकी सोच और विचार हैं। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का जो आधार रखा, उसी पर आज छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ सिंहदेव हमेशा कहते कि मुझे कुमार साहब मत कहो, अंकल कहो। ऐसे सादगी पसंद और मिलनसार व्यक्ति का ना रहना निश्चित रूप से हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने श्रम कानून बनाने और मध्यान्ह भोजन योजना में कोरिया कुमार के पिता स्वर्गीय श्री रामानुज प्रताप सिंहदेव के योगदान का भी उल्लेख किया, जो आज पूरे देश में लागू है। उन्होंने कहा कि कोरिया कुमार का स्नेह और दुलार सदैव उनके साथ रहा। मैं आज इस अवसर पर उस महान व्यक्तित्व को, जिन्होंने अपना पूरा जीवन प्रदेश के विकास को समर्पित किया, उन्हें सादर नमन करता हूँ। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर जिले में लगभग 10.99 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, इन कार्यों में नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर हेतु 7.63 करोड़ रूपये, नगरपालिका परिषद शिवपुर-चरचा हेतु 2.86 करोड़ रूपये के विभिन्न विकास कार्यों सहित 50 लाख की लागत से बैकुण्ठपुर में सर्व आदिवासी समाज का सामुदायिक भवन शामिल है।

राजिम जैसा बड़ा मंच हर जगह उपलब्ध नहीं-गोरेलाल बर्मन....

- कोसा के साड़ी गाने के गीत और भाव काफी मीठा व प्यारा है

रायपुर। संवाददाता

माघी पुन्नी मेला में अपनी प्रस्तुति देने के लिए पहुंचे सुरबइहा के नाम से प्रसिद्ध सुरो के जादूगर छत्तीसगढ़ के प्रख्यात लोक गायक गोरेलाल बर्मन से खास बातचीत में कहा कि राजिम माघी पुन्नी मेला शुरू करके प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बहुत ही सराहनीय काम किया है। इससे हमें अपने माटी कल्चर को पहचानने का मौका मिला है। मंच की तारीफ करते श्री बर्मन ने कहा कि राजिम की कोई बराबरी नहीं किया जा सकता, इसके जैसा मंच तो कहीं है ही नहीं। इसका प्रमुख कारण यह है कि यह सबसे पुराना मंच है। इसके मुकाबले में और कोई मंच सजता ही नहीं है, आकर्षण का यह प्रमुख केंद्र है। अभी भोरमदेव महोत्सव चल रहा है लेकिन उसमें पूरे प्रदेश का आकर्षण नहीं है जबकि यहां पूरे प्रदेश भर के कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हैं। उन्होंने कहा कि शिवरीनारायण महोत्सव हमने ही शुरू किया। यहां से भी बड़ा मेला लगता है। मैनपाट महोत्सव में भोजपुरी कलाकार खेसारी यादव को बुलाया गया है, जबकि अपने कलाकार को मंच मिलना चाहिए। श्री बर्मन ने कहा कि लोगों का मनोरंजन के प्रति दृष्टिकोण बदल गए हैं इसलिए मेरा सबसे निवेदन है कि कार्यक्रम रात के बजाय शाम 7 से 10 तक हो। रात भर कार्यक्रम देने से कलाकार और दर्शक दोनों के स्वास्थ्य को नुकसान होता है। सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन का कड़ाई से पालन होना चाहिए क्योंकि जैसे-जैसे रात बीतता है और लोग शराब के नशे में हुड़दंग और बदतमीजी करने पर उतारू हो जाते हैं। नाचा और लोक कला मंच के बारे में बताया कि नाचा एक विधा है जबकि लोक कला मंच बनने का कारण यही है कि एक मंच में छत्तीसगढ़ दर्शन कर सके।

मोबाइल देने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी

रायपुर। 120 नग मोबाइल देने का झांसा देकर 7 लाख 57 हजार की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। कोर्ट के आदेश पर टिकरापारा पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मोतीनगर टिकरापारा निवासी प्रार्थी मोहम्मद आसिफ सिद्दकी 33 वर्ष ने कोर्ट में आवेदन लगाया था। कि आरोपी प्रदीप आहुजा एवं निकिता शर्मा ने प्रार्थी को 120 नग मोबाइल फोन देने के नाम पर 7 लाख 57 हजार रुपए अपने खाता में जमा करवा लिया। जिसके बाद आरोपियों ने अपना संपर्क तोड़ दिया। जिससे कोर्ट ने टिकरापारा थाना को जांच के आदेश दिया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

रमन बतायें कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा क्यो हटाया था?

जीरम मामलें में रमन सिंह नार्को टेस्ट की चुनौती स्वीकार करे.....

- रमन का नार्को टेस्ट हो गया तो प्रदेश की जनता के दिमाक में गूंज रहे सवालों का जवाब मिल जायेगा

रायपुर/ संवाददाता

कांग्रेस ने जीरम मामलें में रमन सिंह से नार्को टेस्ट की चुनौती को स्वीकार करने को कहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन सिंह के मुख्यमंत्री रहते हुये जीरम का क्रूर नरसंहार हुआ था जिसमें कांग्रेस के बड़े नेताओं की पूरी पीढ़ी की हत्या कर दी गयी थी। प्रदेश की जनता जानना चाहती है। बस्तर के घोर नक्सल क्षेत्रों में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा को रमन सिंह ने क्यो हटवाया था? परिवर्तन यात्रा के ठीक एक हप्ता पहले रमन सिंह स्वयं विकास यात्रा लेकर बस्तर गये थे उनकी विकास यात्रा में पूरी सुरक्षा दी गयी थी। नंदकुमार पटेल, विधाचरण शुक्ल, महेन्द्र कर्मा जैसे नेताओं की उपस्थिति वाली कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा को पूरी तरह हटा लिया गया था? रमन सिंह बताये उन्होंने किस उद्देश्य से कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा को हटाया था? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन सिंह एंव उनके मंत्री मंडलीय सहयोगियों का नार्को टेस्ट हो जाये तो इन सवालों का जवाब जनता को मिल जायेगा- 20 मई 2013 को पुलिसविभाग को सूचित किया गया था कि 25 मई 2013 को परिवर्तन यात्रा जगदलपुर से सुकमाजायेगी।

शिक्षा के अधिकार कानून के तहत 15 करोड़ की राशि संबद्ध स्कूलों को नहीं मिली-राजीव

- समय पर राशि नहीं मिलने से 80 हजार बच्चे स्कूलों में प्रवेश से होंगे वंचित

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के तमाम निजी स्कूलों में शिक्षा के अधिकार कानून के अंतर्गत वंचित वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। पूरे प्रदेश में हर वर्ष लगभग वंचित वर्ग के 80 हजार बच्चों का दाखिला इस योजना के तहत होता है। योजना लागु होने से अब तक शिक्षा के अधिकार कानून योजना के समस्त कार्य प्रबंधन का दायित्व संचालक लोक शिक्षण संचालनालय करता आया है. दिनांक 12.12.2022 को (2 महीने पहले) छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा। के अधिकार कानून के तहत समस्त कार्य लोक शिक्षण संचालनालय के स्थान पर प्रबंध संचालक, समग्र शिक्षा, रायपुर, छत्तीसगढ़ को सौंप दिया था। उक्त जानकारी प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव गुप्ता, महासचिव मोती लाल जैन एवं प्रमुख सलाहकार विजय चोपड़ा ने संयुक्त रूप से दी। पत्रकारवार्ता में वार्ताकारों ने बताया कि उक्त मामले को लेकर प्रतिनिधि मंडल 12 दिसंबर 2022 को प्रबंध संचालक से मिलकर अपनी सारी लंबित मांगों को उनके समक्ष रख चुके हैं लेकिन प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा द्वारा इस काम को अनदेखा किया जाता रहा. लंबे समय तक जब लंबित काम नहीं हुआ और हमारी मांगों को नहीं सुना गया तो 8 फरवरी को संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय को अपना ज्ञापन देकर इस बारे में पुन: अपना विरोध दर्ज किया है। तमाम तरह के प्रयासों के बाद भी ऐसा प्रतीत होता है की समग्र शिक्षा द्वारा काम को टाला जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है की समग्र शिक्षा के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जानबूझ कर सरकार की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन शिक्षा के अधिकार कानून पर इस लापरवाही के खिलाफ पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर रहा है। सत्र 2023-24 हेतु दिनांक 11 फरवरी से 23 फरवरी तक जानकारी निजी स्कूलों से मांगी जा रही है उसके बाद असहयोग करते हुए जिम्मेदार लोगों ने शिक्षा के अधिकार कानून के अंतर्गत कोई भी जानकारी प्रदाय नहीं की है।

जबलपुर के लीलाराम जुलाहे की सारंगी बने आकर्षण.....

रायपुर। यूं तो माघी पुन्नी मेला में अनेक रंग देखने को मिल रहें है लेकिन इस बार मध्यप्रदेश के जबलपुर से लीलाराम जुलाहे अत्यंत प्राचीन वाद्ययंत्र सारंगी लाये हुए है जो आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। एक टोकरी में सिर में लादकर तकरीबन तीन दर्जन से अधिक सारंगी रखे हुए है। वह उसे लेकर लोगों को बजाकर सुनाते भी है। फिल्म नदिया के पार के गीत कौन दिशा में लेके चला रे बटुहिया...., बहु चर्चित फिल्म सावन को आने दो के गीत चांद जैसे मुखड़े पे बिंदिया सितारा.... ने समां बांध दिया। उन्होंने हूबहु म्यूजिक दिया। सारंग की आवाज सुनने के लिए ही लोग इकट्ठे हो रहें थे। लीला राम जुलाहे ने बताया कि राजिम मेला में पहली बार आया हूं। भगवान कुलेश्वरनाथ महादेव का दर्शन किया और प्रतिदिन त्रिवेणी संगम में स्नान कर रहा हूं। मेरे अच्छे भाग्य है नतीजा धर्मनगरी में मुझे आने का सौभाग्य मिला। लीला राम जुलाहे की उम्र 65 वर्ष हो गयी है 10 वर्ष की उम्र से सारंगी बेच रहे है। पिछले समय नागपुर शहर में सारंगी की खूब बिक्री की थी अब राजिम मेला में धंधे अच्छी हो रही है। सारंगी की लंबाई डेढ़ फीट है जिन्हें लकड़ी से आकार दिया गया है। इसमें मिट्टी के बर्तन, कागज के टुकड़े पतला तार का इस्तेमाल किया गया है। वायलीन से तार को टच करते ही मधुर आवाज निकलती है और देखते ही देखते लोग उनके आवाज की मुरीद हो जाते है।

जन्मजात मोतियाबिंद दृष्टिहीनता मुक्त जिला बना रायगढ़......

- 35 बच्चों का हुआ सफल ऑपरेशन

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश का रायगढ़ जिला जन्मजात मोतियाबिंद दृष्टिहीनता मुक्त जिला बन गया है। रायगढ़ में जन्मजात मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए 35 बच्चों की आंख का सफ्ल ऑपरेशन किया गया है। इनमें से तीन बच्चों की दोनों आंखों की दृष्टि लौटाई गई है। इन सभी बच्चों की उम्र दो से 15 वर्ष के बीच है। ऑपरेशन के बाद इन बच्चों की जिंदगी रोशन हो गई है। रायपुर के डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायगढ़ के स्वर्गीय श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ जिला चिकित्सालय और भुवनेश्वर के एल.बी. प्रसाद अस्पताल में जन्मजात मोतियाबिंद से पीड़ित बच्चों का ऑपरेशन किया गया है। सामान्यत: मोतियाबिंद वयोवृद्ध लोगों में पाया जाता है, लेकिन कुछ मामलों में मोतियाबिंद की शिकायत जन्म से ही नवजात शिशु की आंखों में देखी जाती है। इलाज व समुचित परामर्श के अभाव में इन बच्चों को पूरा जीवन इस बीमारी के साथ व्यतीत करना पड़ता है। रायगढ़ जिले के सुदूर वनांचलों में भी ऐसे जन्मजात मोतियाबिंद के 35 मामले थे जिनका चिन्हांकन कर शासन द्वारा इलाज उपलब्ध कराया गया। जन्मजात मोतियाबिंद आंख से जुड़ा एक जन्मजात विकार है, जिससे आंख से कम या धुंधला दिखाई देता है। जन्म से ही किसी बच्चे के आंख की पुतली के आगे धुंधलापन आने को जन्मजात मोतियाबिंद या कंजेनिटल कैटरेक्ट कहा जाता है। जन्मजात मोतियाबिंद एक या दोनों आंखों में हो सकता है। यदि जन्मजात मोतियाबिंद का जल्दी इलाज नहीं किया जाता है, तो आगे चलकर यह दृष्टिगत समस्याओं या अंधापन का कारण बन सकता है। अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी-सह-संचालक महामारी नियंत्रण, डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि यदि किसी बच्चे में जन्म से मोतियाबिन्द या फिर आंखों में सफेद झिल्ली नजर आए तो उसकी जांच यथाशीघ्र करानी चाहिए। आंखों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिदिन सुबह उठकर एवं रात को सोते समय आंख एवं आंख के चारों ओर की त्वचा को साफ पानी से धोना चाहिए। आंखों व चेहरे को पोंछने के लिए साफ और अपने अलग तौलिए का इस्तेमाल करें। धूप और तेज रोशनी से आंखों को बचाएं और अच्छे किस्म के चश्मे का उपयोग करें। आंखों को दुर्घटना से बचाएं। आतिशबाजी, तीर-कमान चलाने व गिल्ली-डंडा खेलते समय सावधानी बरतें। आंख में कुछ पड़ जाए तो आंख को मलना नहीं चाहिए, बल्कि साफ पानी से आंख धोकर बाहरी कण को बाहर निकालने की कोशिश करनी चाहिए। डॉ. मिश्रा ने बताया कि पुस्तक को आंखों से डेढ़ फीट की दूरी पर रखकर पढ़ना चाहिए। चलती बस में या लेटकर या बहुत कम प्रकाश में कभी नहीं पढ़ना चाहिए, इससे आंखों पर जोर पड़ता है। आंखों में अच्छी रोशनी के लिए विटामिन-ए युक्त भोज्य पदार्थ जैसे पालक, गाजर, पपीता, आम, दूध, मछली एवं अंडा का सेवन करें।

बीजेपी मेरी चिंता करती है इसके लिए धन्यवाद': मंत्री सिंहदेव

मैं अपने घर को देखता हूं, लॉ-एंड ऑर्डर को कंट्रोल करना विभाग का काम-मंत्री सिंहदेव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि बीजेपी मेरी चिंता यदि करती है तो मैं उनको धन्यवाद ही दे सकता हूं। मगर मैं अपने परिवार को देखता हूं। मेरा अपना परिवार है। मैं बीजेपी की चिंता नहीं करता हूं। सिंहदेव बालोद पहुंचे थे। यहीं वे मीडिया से चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की है। सिंहदेव ने कहा कि मैं पहले भी सार्वजनिक रूप से कहा चुका हूं कि राज्यपाल गलत कर रही हैं कि आरक्षण बिल पर हस्ताक्षर नहीं कर रहीं। वो उस बिल को लेकर बैठ गई हैं। ये सही है कि संविधान में ये प्रावधान नहीं है कि वो कब तक बिल पर हस्ताक्षर करेंगे। अगर वो इस बिल से असहमत हैं

तो वापस भेज दें,अगर सहमत हैं तो हस्ताक्षर दें। मगर इस तरह से देर करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह से बिल को रोकने से कई भर्तियां रुकी हुई हैं। ये एक संवेदनशील मुद्दा है। नए राज्यपाल से उम्मीद की बात ही नहीं है। ये उनकी भी जिम्मेदारी है कि इस विषय पर जल्द निर्णय लें। सिंहदेव ने भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या पर कहा कि लॉ एंड को कंट्रोल करना विभाग का काम है। कभी ऐसा होता है कि हम पहले से पता नहीं लगा सकते कि क्या होने वाला है। ऐसे में यदि पहले से रंजिश है तो सतर्क रहना चाहिए। कई बार घटना होने के बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है। सिंहदेव ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र कांग्रेस ने बनाया था। कई काम हो चुके हैं। कई काम होना बाकी हैं। जैसे युवाओं का बेरोजगारी पेंशन है वह बाकी है। नागरिकों का पेंशन बढ़ना बाकी है। दैनिक वेतन भोगी के नियमितीकरण की बात पर भी शासन को निर्णय लेना है। ये चुनाव के पहले का आखिरी बजट है। शासन इन सब मुद्दों पर जरूर निर्णय लेगा। मुख्यमंत्री भी इन मुद्दों पर निर्णय लेंगे। दरअसल, सिंहदेव बालोद के 94 ग्राम झलमला में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसके पहले उन्होंने पत्रकारों से चर्चा की है और गंगा मैया मंदिर में पूजा अर्चना भी की। उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
कार्यकारी संपादक- आसिफ इकबाल (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com